दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-114 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 11 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बेजुबान जानवरों की भलाई जरूरी है, मूकदर्शक नहीं बना जा सकता

सुप्रीम कोर्ट ने रमन की कस्टडी केरल सरकार को सौंपी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने केरल के सबसे लंबे हाथी रमन के कमर्शियल इस्तेमाल की बुराई की है, जबकि इस तरह के इस्तेमाल पर रोक लगाने का ऑर्डर दिया गया था. इस बात पर जोर देते हुए कि वह इस तरह की नाफरमानी पर आँखें नहीं मूंद सकता और जब बेजुबान जानवरों की भलाई की बात हो तो मूक दर्शक नहीं बना रह सकता, सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को हाथी की भलाई को लेकर उसे कुछ समय के लिए अपनी कस्टडी में लेने का निर्देश दिया. कैद में रखे गए हाथी रमन को लेकर विवाद लंबा और उतार-चढ़ाव वाला रहा है, जो ट्रायल कोर्ट और केरल हाई कोर्ट में कई दौर की केस लड़ चुका है।

मंगलवार को दिए गए फैसले में जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने राज्य को रमन को एक सही रेस्क्यू या रिहैबिलिटेशन सेंटर में रखने का आदेश दिया. जस्टिस शर्मा, जिन्होंने बेंच की ओर से फैसला लिखा, ने कहा, यह सच में बहुत बुरा है कि जिस हाथी की बात हो रही है, यानी रमन जो केरल का सबसे लंबा हाथी भी है, उसका कमर्शियल इस्तेमाल किया जा रहा है. जबकि इस तरह के

इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश है और वह भी इस कोर्ट के सामने दिए गए अंडरटेकिंग के आधार पर।

बेंच ने कहा कि एक खास अंडरटेकिंग थी कि हाथी का इस्तेमाल कमर्शियल या मंदिर के कामों के लिए नहीं किया जाएगा. बेंच ने कृष्णनकुट्टी को जिसने एक विवादित वसीयत के आधार पर हाथी की कस्टडी अपने पास रखी थी, सुप्रीम कोर्ट को दिए गए अंडरटेकिंग का जानबूझकर उल्लंघन करने के लिए कंटेम्प्ट का दोषी पाया. बेंच ने उस पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया.बेंच ने कहा कि रमन को उसके निर्देशों का उल्लंघन करते हुए मंदिर के जुलूसों और रस्मों में घुमाया गया. बेंच ने कहा, यह साफ है कि जिस हाथी रमन की बात हो रही है, उसे वाकई बाहर निकाला गया और रस्मों में इस्तेमाल किया गया जो इस कोर्ट के सामने रेस्पोंडेंट नंबर 1 की ओर से दिए गए अंडरटेकिंग का उल्लंघन था.जस्टिस शर्मा ने कहा कि अगर कोर्ट इस तरह की अवज्ञा को अनदेखा करता है तो वह बेजुबानों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहेगा. जस्टिस शर्मा ने कहा, हम मूक दर्शक नहीं रह सकते, खासकर बेजुबान जानवरों से जुड़े मामलों में जिनकी भलाई भी सबसे जरूरी है.बेंच ने कहा कि जिस हाथी की कस्टडी की बात हो रही है, उस पर अभी आखिरी फैसला होना बाकी है. बेंच ने कहा कि जिस हाथी की बात हो रही है, उसकी सेहत और पूरी भलाई को प्राथमिकता देने के लिए, केरल सरकार को रमन की कस्टडी लेने और उसे एक सही रेस्क्यू/रिहैबिलिटेशन सेंटर में रखने का निर्देश देना सही लगता है।

केंद्र का तर्क.. आम लोगों को सालाना 8,400 की बचत

-1600 का सिलेंडर 900 में मिल रहा

नई दिल्ली,(ए.)। हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, इसके बाद केंद्र सरकार ने दावा किया है कि उपभोक्ताओं को अब भी भारी राहत दी जा रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की वास्तविक लागत 1,600 से अधिक है, जबकि उपभोक्ताओं को यह मात्र 942 में दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के तर्क के अनुसार, आम उपभोक्ताओं को हर सिलेंडर पर लगभग 700 की अप्रत्यक्ष राहत मिल रही है। इस हिसाब से, अगर कोई परिवार साल में 12 सिलेंडर खर्च करता है, तब उस परिवार को अप्रत्यक्ष रूप से सालाना 8,400 की बचत हो रही है।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण खनूजा ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 की अतिरिक्त सब्सिडी भी मिलती है। इसके बाद उन्हें प्रति सिलेंडर कुल लगभग 1,000 का लाभ मिल रहा है, जो सालाना 12 सिलेंडरों पर 12,000 तक पहुंच जाता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के 12 साल पूरे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई, लिखा भावनात्मक पत्र

भोपाल (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में सुशासन के गौरवशाली 12 साल पूरे हो गए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को भावनात्मक पत्र लिखकर इस विशेष उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, अधोसंरचनात्मक विकास तथा देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश को मिले अभूतपूर्व सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। पत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के नव निर्माण एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रधानमंत्री श्री मोदी का अद्वितीय योगदान अभिनंदनीय है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुशासन से पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गांव, गरीब और किसान कल्याण को प्राथमिकता देते हुए लोकतंत्र को भी गौरवान्वित किया है।

कोलकाता मेयर, कई सांसद और 58 विधायक; चुनावी हार के बाद टीएमसी में इस्तीफों की झड़ी

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजे आने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से नेताओं का मोहभंग होना रुक नहीं रहा है। बुधवार को टीएमसी की राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसके फौरन बाद वे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ नजर आईं। अटकलें हैं कि वे भाजपा में शामिल हो सकती हैं। इससे पहले कुछ सांसदों समेत, विधायक और पार्षद तक टीएमसी छोड़ चुके हैं। आज सुष्मिता देव ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। टीएमसी के लिए ये बड़ा झटका है, क्योंकि सुष्मिता को ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। इससे पहले सोमवार को टीएमसी के राज्यसभा सांसद शुखेंदु शेखर रॉय ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही उन्होंने टीएमसी भी छोड़ दी थी। शेखर रॉय 2011 में टीएमसी में शामिल हुए थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में फैले भ्रष्टाचार को अपना इस्तीफा देने की वजह बताया।27 मई को लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने टीएमसी छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने दावा किया कि करीब 20 टीएमसी सांसद एनडीएके साथ जाने की कोशिश कर रहे हैं।

उरी सेक्टर के आर्मी कैंप में ग्रेनेड ब्लास्ट, दो जवान शहीद; पुंछ जिले में पाकिस्तानी किशोर भी पकड़ा

उरी (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एक दर्दनाक हादसे में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। सेना अधिकारियों के अनुसार, कमलकोट स्थित सैन्य शिविर में रूटीन इक्विपमेंट हैंडओवर के दौरान एक हैंड ग्रेनेड अचानक फट गया, जिससे दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सेना के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेना ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और ग्रेनेड विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

प्रारंभिक जांच में इस घटना को दुर्घटनावश हुआ विस्फोट माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद

ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। श्रीनगर स्थित रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी (PRO) ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से पूरी जानकारी मिलने के बाद ही औपचारिक टिप्पणी की जाएगी।

इसी बीच, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुए एक 14 वर्षीय पाकिस्तानी किशोर को सेना ने हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, मेंढर सेक्टर के नागरी टेकरी इलाके में तैनात सतर्क जवानों ने किशोर को सीमा पार करने के तुरंत बाद रोक लिया। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) से गलती से भारतीय सीमा में आ गया था।पूछताछ जारी, वापस भेजे जाने की संभावना सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल किशोर से पूछताछ कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद स्थापित प्रक्रियाओं के तहत उसे पाकिस्तान वापस भेजा जा सकता है।

पीओके में प्रदर्शन करने वालों पर फायरिंग 100 से अधिक की मौत

नरसंहार कर रही मुनीर की सेना, सीधे दाग रही गोलियां

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस वक्त हालात बेहद विस्फोटक हो चुके हैं। बुनियादी अधिकारों और आजादी की मांग को लेकर हजारों लोग सड़कों पर हैं, वहीं पाकिस्तानी सेना इस जन-आंदोलन को कुचलने के लिए क्रूरता की सारी हदें पार कर चुकी है। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की सेना द्वारा निहत्थे नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाने की भयावह तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं, जिसने वैश्विक समुदाय को झकझोर कर रख दिया है।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस हिंसा में अब तक 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे रावलाकोट के एक दर्दनाक वीडियो में साफ दिख रहा है कि सुरक्षा बल एक निहत्थे नागरिक को घेरकर तब तक गोलियां मारते रहे, जब तक कि वह पूरी तरह छलनी नहीं हो गया।

मेरे लिए जनता-जनार्दन ही ईश्वर और सेवा कार्य ही साधना का रूप : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का दिन आप सभी ने मेरे लिए बहुत यादगार बना दिया। मैं अभिभूत हूं, कृतज्ञ हूं। उन्होंने कहा कि 'चरैवेति-चरैवेति' के मंत्र का जाप करते हुए, इस राजनीतिक यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव देखते हुए, एक दिन यह पड़ाव भी आएगा, यह मैंने कभी सोचा नहीं था। निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सबसे लंबी अवधि तक सेवा करने का अवसर मिलना, इसे मैं अपना परम सौभाग्य मानता हूं। आपने इस अवसर पर मुझे सम्मानित किया, इतना मान दिया, इसके लिए मैं आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने लंबे समय तक मां भारती की सेवा का सौभाग्य मिलना, यह ईश्वर की विशेष कृपा से ही संभव हो सकता है। मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही ईश्वर का रूप है। इसलिए मैंने सेवा कार्य को एक साधना के रूप में देखा है। यह साधना भी एकाकी नहीं रही, यह एक सामूहिक यज्ञ है, जिसमें आप सभी साथियों ने अपना योगदान दिया है। मैं आज इस यात्रा के सभी साथियों के

प्रति आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर एनडीए परिवार के सदस्यों ने एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मैं इसे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आपकी उदारता और हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रमाण मानता हूं। हर दृष्टि से, यह उपलब्धि हम सभी की है, यह एनडीए के प्रत्येक सदस्य की समान रूप से उपलब्धि है। इसलिए, मैं इस प्रस्ताव को एनडीए के सभी सदस्यों को समर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए विजयी हुआ, तब मैंने कहा था कि इससे हमारे देश की जनता में नई उम्मीद जगी है। इस उम्मीद की रक्षा करना हम सभी की बड़ी जिम्मेदारी बन गई। कांग्रेस से धोखा खाने के बाद जनता ने हम पर भरोसा जताया। मुझे गर्व और संतोष है कि एनडीए परिवार के सदस्य के रूप में हमने राष्ट्र के भरोसे को मजबूत करने और उसे कायम रखने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी, तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवी में एक आशा का उदय हुआ है। इस आशा का, इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपना भरोसा हमें सौंपा था। आज मुझे संतोष है, गर्व है कि एनडीए परिवार के तौर पर हमने देश के विश्वास को हमेशा और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि विकास तो दूर की बात है, देश को कांग्रेस ने एक के बाद एक हजारों करोड़ों रुपए के घोटालों में घसीट दिया। देश का भाग्य फिर तब बदला जब 2014 में एनडीए की सरकार बनी। देश ने देखा कि जब नीयत, नीति और निर्णय तीनों एक साथ काम करते हैं तो विकास की गति कैसी होती है।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में बैठक के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन के साथ।

तेज तपन के साथ दिन भर रहा लू का असर

नर्मदा की धारा में स्नान कर गर्मी से ले रहे राहत

नर्मदापुरम (निप्र)। जून का दूसरा सप्ताह समाप्त होने को है। मानसूनी बारिश का इंतजार होने लगा है। लेकिन गर्मी कम होने की बजाए तेज होती जा रही है। तापमान 40 के करीब बना हुआ है। सुबह से ही लू का असर शुरू हो जाता है। जैसे.-जैसे सूर्यदेव बढ़ते हैं गर्मी का असर तेज होता जाता है। जो सूर्यास्त होने के बाद तक बना रहता है। दोपहर में तो और तेज गर्मी हो रही है। इन दिनों गर्मी ने लोगों को हाल बेहाल कर दिया है। लू तथा तपन के कारण पसीना-पसीना हो रहे हैं। मौसम विभाग बता रहा है कि नर्मदापुरम संभाग में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन बादल आकर चले जाते हैं। वहीं न्यूनतम तापमान भी बढ़ रहा है। बच्चे तथा युवा तेज गर्मी से राहत पाने के लिए दोपहर में स्नान करने के लिए पहुंच रहे हैं। मौसम विभाग के द्वारा बताया जा रहा है कि अभी दो दिन और तेज धूप का असर रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में हवा के साथ बादल छाए रहेंगे गर्जना के साथ हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली दवाएं होंगी महंगी, किल्लत के बीच बढ़ोतरी को मंजूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। देशभर में कैंसर की दवाओं की किल्लत के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली 2 अहम दवाओं-सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन की कीमत बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस कदम से ये स्पष्ट होता है कि पहली बार सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार किया गया है कि दवाओं की कमी वास्तविक है और इस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने 7 जून को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) को पत्र लिख कीमत बढ़ाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को कहा है।

चुनाव आयोग से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल, राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज करने का किया विरोध

नई दिल्ली(आरएनएस)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार का नामांकन खारिज किए जाने के खिलाफ बुधवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की और कहा कि निर्वाचन अधिकारी (आरओ) के इस असंवैधानिक तथा लोकतंत्र विरोधी फैसले को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए. कांग्रेस पार्टी के एक हाई-लेवल डेलिगेशन ने चुनाव आयोग से मुलाकात की.

नटराजन का नॉमिनेशन इसलिए खारिज कर दिया गया था, क्योंकि आरोप है कि उन्होंने हैदराबाद में दर्ज एक मामले से जुड़ी जानकारी का खुलासा नहीं किया था.कांग्रेस के डेलिगेशन में पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और पार्टी के सीनियर नेता अभिषेक मनु सिंघवी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जयराम रमेश, भूपेश बघेल और मीनाक्षी नटराजन शामिल थे।

उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेंद्र कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से इस मामले पर मुलाकात की.कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को चुनाव आयोग से इस मामले में अपने डेलिगेशन के साथ बैठक के लिए समय मांगा था।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए वेणुगोपाल ने सिंघवी और रमेश के साथ नटराजन के नॉमिनेशन को खारिज किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, हमने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों से मुलाकात की. हमने भारत के चुनाव आयोग के साथ विस्तार से चर्चा की और तथ्य व आंकड़े पेश किए.बैठक की जानकारी देते हुए सिंघवी, जो कांग्रेस के कानून, आरटीआई और एचआर विभाग के चेयरमैन भी हैं, ने कहा, हमने चुनाव आयोग के सामने विस्तार से अपनी बात रखी. हमने उन्हें बताया और अपने हिसाब से बिना किसी शक या विवाद के यह साबित किया कि रिटर्निंग ऑफिसर ने गलत आदेश दिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने पर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुफा मंदिर के कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल, (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की आज़ादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्णहोने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद आलोक शर्मा, रविन्द्र यति तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियां सुरक्षित थीं, गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव था। प्रधानमंत्री श्री मोदी का

कार्यकाल भी इन्हीं उपलब्धियों का साक्षी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सादगीपूर्ण जीवनशैली के साथ देश सेवा में समर्पित हैं। उन्होंने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को नि:शुल्क अनाज वितरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं। हम सभी के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान श्री राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पवित्र गीता में बताए कर्मवाद के सिद्धांत पर काम करते हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पृथ्वी पर अपने जन्म को सार्थक किया है। गरीब परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री श्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए एक आदर्श हैं। देश में एक नए संकल्प का वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबको अवसर मिलता है। प्रदेशवासी अपने जीवन में संकल्प लें, संघर्ष करें और आगे बढ़ें।

हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। देश-दुनिया से श्रद्धालु मंदिर में प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का आशीर्वाद ले रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा मध्यप्रदेश पर है, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है।स्थानीय सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार और इन्फ्रास्ट्रक्टर निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में गरीब, किसान, नारी सशक्तिकरण और युवाओं के गहरी संवेदना हैं।

भोपाल में नाबालिग छात्रा ने किया सुसाइड, कमरे में फंदे पर लटका मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बजरिया थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा ने फंसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके

पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस के अनुसार छात्रा ने हाल ही में 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वह अपने पिता के साथ रहती थी। परिवार में उससे छोटा एक भाई और एक बहन हैं, जबकि उसकी मां वर्ष 2017 से परिवार से अलग रह रही हैं। बताया जा रहा है कि घटना के समय छात्रा के छोटे भाई-बहन घर के बाहर थे। रात में वापस लौटने पर उन्होंने छात्रा को आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। काफी देर तक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने अपने चाचा को सूचना दी। इसके बाद परिजनों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा खोला गया, जहां छात्रा फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल के पास एक मोबाइल फोन और गर्भनिरोधक गोलियां मिली है, जिन्हें जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि इन वस्तुओं की जांच की जा रही है और फिलहाल इनके संबंध में कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। छात्रा के पिता ने बताया कि उन्हें मोबाइल फोन के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है।बजरिया थाना पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस मोबाइल फोन की तकनीकी जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों व परिचितों के बयान के आधार पर मामले के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

सांची के शासकीय सांदीपनि विद्यालय में बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए सांदीपनि विद्यालय ग्रामीण और मध्यम वर्गीय बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहे हैं। सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों

को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिए जाने के साथ ही उनके कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रायसेन जिले के सांची में स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में शिक्षा की अलख जगा रहा है। यहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यह विद्यालय क्षेत्र में एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान के रूप में पहचाना जा रहा है। इस विद्यालय ने आधुनिक तकनीकी शिक्षण और खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की है।शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची में विद्यार्थियों के सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन हेतु 12 बसें संचालित हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी सुगमता से विद्यालय आते हैं। यह सुविधा पूर्णतः नि:शुल्क है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालय में 1067 बच्चे प्रवेशित थे तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों की संख्या 1500 से अधिक संभावित है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालय के 20 विद्यार्थियों को शासन की योजना के तहत लैपटॉप प्रदान किए गए।

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

अब एक कॉल पर मिलेगी सहायता, शिकायतों के त्वरित निराकरण की होगी प्रभावी व्यवस्था

भोपाल,(निप्र.)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी। भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती यादव

प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे नि:संकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। श्रीमती स्थापक ने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता, गंभीरता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी, जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके। आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने बताया कि हेल्पलाइन महिलाओं की शिकायतों के पंजीयन, मार्गदर्शन, परामर्श तथा संबंधित मामलों के फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगी। इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनेगी।

भोपाल में इलाज कराने पहुंची युवती से छेड़छाड़

आरोपी झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार, चेकअप के दौरान गलत तरीके से छूने का आरोप

भोपाल,(निप्र.)।भोपाल के सूखी सेवनिया इलाके में इलाज कराने पहुंची एक 18 वर्षीय युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।

आरोप है कि चेकअप के दौरान डॉक्टर ने युवती को गलत नीयत से छुआ। युवती ने विरोध करते हुए शोर मचाया और क्लीनिक से बाहर आकर परिजनों को पूरी घटना बताई। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार, युवती सूखी सेवनिया क्षेत्र के एक गांव में रहती है। पिछले करीब 8 से 10 दिन से उसे सिर दर्द की शिकायत थी। इलाज के लिए वह गांव में क्लीनिक चलाने वाले संजीत कुमार बंगाली के पास पहुंची थी।युवती का आरोप है कि इलाज और चेकअप के दौरान डॉक्टर ने उसके साथ गलत व्यवहार किया और बुरी नीयत से छुआ। युवती को जब डॉक्टर की हरकत का एहसास हुआ तो उसने विरोध किया और शोर मचाते हुए क्लीनिक से बाहर आ गई।क्लीनिक से बाहर आने के बाद युवती ने अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी।

आजाद मार्केट में बड़ा हादसा टला, पेड़ की विशाल टहनी गिरने से 3 घायल, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुराने शहर के व्यस्त कारोबारी क्षेत्र आजाद मार्केट में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बाजार में लगे एक मुनगा (सहजन) के पेड़ की विशाल टहनी अचानक टूटकर सड़क पर गिर गई, जिससे वहां से गुजर रहे तीन बाइक सवार घायल हो गए। हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें टहनी गिरने के बाद मची अफरा-तफरी साफ दिखाई दे रही है।जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 3:15 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय न तो बारिश हो रही थी और न ही तेज हवा चल रही थी। अचानक पेड़ की भारी टहनी टूटकर सड़क पर आ गिरी, जिसकी चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गए। तीनों के सिर में चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को टहनी के नीचे से बाहर निकाला और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि टहनी गिरने से कुछ ही सेकंड पहले कई राहगीर, ग्राहक और वाहन उस रास्ते

से गुजरे थे। एक लोडिंग ऑटो भी घटना से ठीक पहले वहां से निकला था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोपहर के समय बाजार में अपेक्षाकृत कम भीड़ थी। यदि यही हादसा शाम के व्यस्त समय में होता, बड़ा हादसा हो सकता था।घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में मौजूद जर्जर पेड़ों और बढ़ते अतिक्रमण को लेकर चिंता जताई है। व्यापारियों का कहना है कि आजाद मार्केट में कई पेड़ ऐसे हैं जिनकी टहनियां लंबे समय से छंटाई के अभाव में कमजोर हो चुकी हैं और किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। व्यापारी प्रतिनिधियों के अनुसार, बाजार की सड़कों के दोनों ओर अतिक्रमण बढ़ने से पैदल चलने वालों के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं बची है। कई स्थानों पर राहगीरों को मुश्किल से निकलने की जगह मिलती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।

सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की मांग

हादसे के बाद व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार क्षेत्र में खतरनाक और जर्जर पेड़ों का सर्वे कराया जाए, उनकी समय पर छंटाई की जाए तथा अतिक्रमण हटाकर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा हो सकता है।

ट्विशा शर्मा मौत का मामला

- गिरीबाला और समर्थ को पूछताछ के लिये लिया जा सकता है दोबारा रिमांड पर

भोपाल(ए.)। भोपाल में एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई को दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल गई है। बंद लिफाफे में मिली दूसरी पीएम रिपोर्ट का फिलहाल जांच एजेंसी बारीकी से अध्ययन कर रही है। हालांकि पहली पीएम रिपोर्ट में शरीर पर चोटों का उल्लेख है। सीबीआई यह पता लगाने का प्रयास कर रही है, कि चोटें सामान्य थीं, या घटना से जुड़े किसी अहम और परिवार वालो द्वारा लगाये गये प्रताड़ना के आरोपो से जुड़ी हो सकती हैं। मामले की जांच फिलहाल ट्विशा के गर्भवती होने, गर्भपात कराने और इसके बाद हुई मौत की परिस्थितियों के आस-पास घूम रही है। सीबीआई घटनास्थल की परिस्थितियों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों को जोड़कर सच की पड़ताल करने में लगी है। जांच टीम फांसी के फंदे से जुड़े तथ्यों को भी डमी ट्रायल और फोरेंसिक साक्ष्यों के जरिए समझने का प्रयास कर रही है।

अधिकारियों का मानना है कि जब तक सभी पहलुओं की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। सीबीआई ट्विशा के मोबाइल फोन और लैपटॉप से डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने में जुटी है। गौरतलब है कि मामले में ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह केंद्रीय जेल भोपाल में बंद हैं। दोनों पर सुसाइड के लिए उकसाने, दहेज मांगने, प्रताड़ित करने और धमकाने जैसे आरोप हैं। सूत्रों के अनुसार दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और नए साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई दोनों आरोपियों से दोबारा पूछताछ के लिये उन्हें प्रोटेक्शन वारंट पर जेल से रिमांड पर ले सकती है।

कलियासोत डेम क्षेत्र में छह अवैध डेयरियां ध्वस्त, भदभदा से हटाई गईं तीन झुग्गियां

भोपाल,(निप्र.)। भोपाल नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण, चबूतरे, ठेले-गुमठियां और आवागमन में बाधक अतिक्रमणों को हटाया। साथ ही जिला प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई में कलियासोत डेम क्षेत्र में संचालित छह अवैध डेयरियों को ध्वस्त किया गया तथा भदभदा क्षेत्र से तीन झुग्गियों को हटाया गया।निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर बुधवार को अतिक्रमण निरोधक दल ने कटारा हिल्स, एमपी नगर, माता मंदिर, जवाहर चौक, कस्तूरबा नगर, रायसेन रोड, अयोध्या बायपास, अशोका गार्डन, नवीन नगर, हमीदिया रोड, भोपाल टॉकीज, भारत टॉकीज सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। अभियान के दौरान शैतान सिंह चौराहा क्षेत्र में एक तथा अशोका गार्डन में चार अवैध चबूतरों को तोड़ा गया। कस्तूरबा नगर में एक अवैध निर्माण को रुकवाया गया, जबकि रायसेन रोड स्थित गुप्ता कॉलोनी में सर्विस रोड पर रखा मलबा हटवाया गया।

अयोध्या बायपास क्षेत्र में सड़क पर रखा सामान हटाया गया तथा नवीन नगर में नालियों के ऊपर रखी गई फर्शियों को हटाकर मार्ग और जल निकासी व्यवस्था को सुचारू किया गया।

निगम अमले ने भारत टॉकीज क्षेत्र से यातायात में बाधा बन रहे तीन चारपहिया वाहनों को भी हटवाया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों से ठेले, गुमठियां, पान पार्लर, काउंटर, बोर्ड, टेबल, स्टूल और अन्य अतिक्रमण हटाकर नौ ठेले, तीन कैरेट और एक फाइबर कुर्सी जब्त की गई।निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की गई है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5.39 करोड़ हितग्राहियों को नि:शुल्क खाद्यान्न आवंटित

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को बताया है कि दिसम्बर, 2023 से अभी तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत 5.39 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को कुल 24,209 करोड़ रूपये का 74.31 लाख मेट्रिक टन नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को नि:शुल्क राशन का वितरण करने के लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29 वी प्राथमिकता श्रेणी सम्मिलित की गई। इसमें असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों के 7.82 लाख परिवारों के 27.80 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी कर नि:शुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत वितरित राशन सामग्री के परिवहन करने वाले 896 परिवहनकर्ताओं एवं 27,872 दुकानों के कमीशन देयकों का प्रतिमाह लगभग 40 करोड़ रूपये का भुगतान ऑनलाईन किया जा रहा है। यह व्यवस्था माह फरवरी, 2024 से लागू है। पूर्व में संचालित 269 पीडीएस के प्रदाय केन्द्रों की संस्था से बढ़ाकर 273 (42 नवीन) की गयी है। इससे सामग्री के प्रदाय के समय एवं राशि की बचत हुई है।

संभागायुक्त संजीव सिंह ने भोपाल संभाग की वीसी के माध्यम से की राजस्व समीक्षा बैठक

भोपाल(ए.)। संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम को निर्देश दिए कि राजस्व के प्रकरणों को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए लगातार मॉनीटरिंग करें। लोक सेवा गारंटी के आवेदनों पर समय सीमा में काम नहीं होने पर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण के अविवादित प्रकरणों की पेंडेंसी एक माह में खत्म करें। नामांतरण, सीमांकन के प्रकरणों में निचले अमले की कार्रवाई पर भी निगाह रखें। बिना कारण सीमांकन प्रकरण रद्द नहीं हो। समीक्षा बैठक में सीमांकन, बंटवारा, धारणाधिकार, स्वामित्व, न्यायालयीन प्रकरणों का त्वरित निराकरण, लंबित राजस्व प्रकरण, सीमांकन, और किसान-संबंधी विवादों का प्राथमिकता से समाधान करना, लिटिगेशन और अवमानना प्रकरण, न्यायालयीन त्रुटियों में सुधार और लंबित अवमानना प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राजस्व अर्जन एवं वसूली मामलें भू-राजस्व, लक्ष्यों की समीक्षा और राजस्व वसूली में ढिलाई न बरतने की सख्त हिदायत दी उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री, डिजिटलीकरण व पोर्टल: R C M S पोर्टल पर दर्ज मामलों का निराकरण, स्वामित्व योजना और फार्मर रजिस्ट्री के काम को शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए।संभाग आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि जून माह में सभी अधिकारी समय सीमा से बाहर लोकसेवा गारंटी अधिनियम एवं आरसीएमएस दर्ज प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कोई भी केस टाईम बाउंड नहीं होना चाहिए। सभी जिलों के तहसीलदार एवं नायाब तहसीलदार कोर्ट में लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही सभी कलेक्टर्स प्राकृतिक प्रकोप, भूअर्जन एवं भूअभिलेख संबंधी संवेदनशील प्रकरणों को एडीएम स्तर की निगरानी में प्रायोरिटी के साथ निराकरण सुनिश्चित करवाएं।संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग के सभी जिलों में सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरण के डिस्पोजल में जिलेवार उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनुविभागीय अधिकारी तहसीलदार एवं नायाब तहसीलदार की सराहना की एवं लोअर डिस्पोजल करने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए इस माह के अंत तक प्रगति लाने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त श्री सिंह की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, सीहोर कलेक्टर बालागुरू के., भोपाल एडीएम सुमित पांडेय, रायसेन एडीएम मनोज उपाध्याय सहित सभी सभी अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं नायाब तहसीलदार वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

भाजपा के इशारे पर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करने, लोकतंत्र की हत्या करने के विरोध में कांग्रेस का शांतिपूर्ण उपवास एवं सत्याग्रह

ग्वालियर (ए.) । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के निर्देश पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ग्वालियर द्वारा फूलबाग स्थित गांधी उद्यान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष हाथ पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण उपवास, सत्याग्रह एवं धरना प्रदर्शन आयोजित कर भाजपा सरकार द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या के विरुद्ध जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। धरना-उपवास को संबोधित करते हुए कांग्रेसजनों ने कहा कि मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जिस प्रकार निरस्त किया गया है, वह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि भाजपा द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र है। भाजपा के दबाव और प्रभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया

गया है। भाजपा के इशारे पर यह कार्यवाही लोकतंत्र पर सीधा हमला और सीट चोरी है। जब भाजपा राजनीतिक रूप से कांग्रेस का मुकाबला नहीं कर पा रही है, तब वह संवैधानिक संस्थाओं को अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति का माध्यम बनाने में लगी हुई है।

कांग्रेस हमेशा लोकतंत्र, संविधान और जनमत की सर्वोच्चता में विश्वास करती रही है।मीनाक्षी नटराजन जी के नामांकन को निरस्त करना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की जनता की आवाज को दबाने का प्रयास है। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संवैधानिक लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस के उपवास सत्याग्रह धरने में प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, प्रदेश सचिव राहुल शर्मा, संजय सिंह राठौर, राम पांडे, जिला संगठन महामंत्री इब्राहिम पठान, वीर सिंह तौमर, श्रीमती सीमा समाधिया, मंगल यादव, चतुर्भुज धनोलिया, जेएच जाफरी, हमीद खां उस्मानी, श्रीमती शांती कुशवाह, श्रीमती मीनू परिहार, हरेन्द्र सिंह गुर्जर, रामबाबू श्रीवास, योगेन्द्र नौनेरा, गोपी लाल भारतीय, मेहबूब खां चेनवाले, भैयालाल भटनागर, , डॉ. आर.सी राजपूत, अशोक सूर्यवंशी सहित अनेक कांग्रेसजन सम्मलित थे।

श्रीराम स्मृति उपवन में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर (ए.)। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका परिषद श्योपुर द्वारा स्टेडियम परिसर स्थितरामस्मृति उपवन की स्वच्छता हेतु श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गायत्री परिवार एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के सदस्यों ने भी श्रमदान किया। इस अवसर पर पार्क में खरपतवार की सफाई एवं पौधों की कटिंग का कार्य किया गया।

यह वोट चोरी नहीं, सीट चोरी का मामला : तंखा

मीनाक्षी का नामांकन निरस्त होने पर जबलपुर में चौतरफा विरोध

जबलपुर, (ए.) । मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की एकमात्र प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के बाद जबलपुर में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और छात्र संगठनों का विरोध तेज हो गया है। शहर में तहसील कार्यालय के बाहर कांग्रेस ने गांधीवादी तरीके से धरना प्रदर्शन किया, वहीं विभिन्न कांग्रेस संगठनों और नेताओं ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र के लिए घातक बताते हुए निर्वाचन आयोग तथा भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।इस पूरे घटनाक्रम पर राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल एक नोटिस जारी हुआ था, जिसमें मीनाक्षी नटराजन और अन्य लोगों से 10 करोड़ रुपये के क्षतिपूर्ति दावे के संबंध में जवाब मांगा गया था। नोटिस का विधिवत जवाब भी उनके अधिवक्ता द्वारा दिया जा चुका है। तन्खा ने इसे केवल नामांकन निरस्तीकरण का मामला नहीं बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर हमला बताते हुए कहा कि यह वोट चोरी नहीं, बल्कि सीट चोरी का मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होने के बावजूद तकनीकी आधार बनाकर उम्मीदवार को चुनावी प्रक्रिया से बाहर किया गया है। तन्खा ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाएं जारी रहीं तो लोकतंत्र की मूल भावना समाप्त हो जाएगी।

बीना में रेलवे भूमि से हटाए गए अवैध अतिक्रमण, कई पक्के निर्माण किए गए ध्वस्त

बीना, (ए.)। रेलवे प्रशासन ने मध्य प्रदेश के बीना के शिव वार्ड क्षेत्र में रेलवे भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ बुधवार को व्यापक कार्रवाई करते हुए कई निर्माणों को हटाया। सागर फाटक से कादंबरी वाटिका तक रेल पटरी के समीप स्थित अतिक्रमित क्षेत्र में

बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार संबंधित लोगों को पूर्व में बेदखली संबंधी नोटिस जारी किए गए थे और निर्धारित समयावधि में भूमि खाली करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कुछ स्थानों पर नए निर्माण किए जाने की जानकारी मिलने पर कार्रवाई को अमल में लाया गया। प्रशासन ने नोटिस के बाद किए गए निर्माणों को भी हटाया।अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), स्थानीय प्रशासन, तहसील कार्यालय तथा रेलवे इंजीनियरिंग शाखा के अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि रेल पटरियों के समीप किए गए अतिक्रमण रेलवे की विकास परियोजनाओं में बाधा उत्पन्न कर रहे थे तथा सुरक्षा की दृष्टि से भी संवेदनशील थे। कई बार चेतावनी और नोटिस जारी किए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।कार्रवाई के बाद रेलवे भूमि से मलबा हटाने का कार्य जारी है।

छात्राओं को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर डाला फेक अश्लील वीडियो

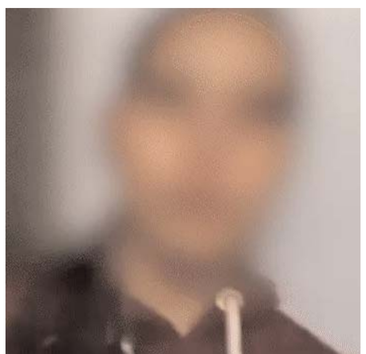

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक में टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग और पुलिसिया संवेदनहीनता का मामला सामने आया है। विश्वविद्यालय की दो छात्राओं को बदनाम करने के लिए उनकी पूर्व रूममेट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से उनकी तस्वीरों को एडिट कर अश्लील वीडियो बना फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए यूनिवर्सिटी ग्रुप्स में वायरल कर दिया। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित छात्राएं दो महीने तक न्याय के लिए भटकती रहीं, लेकिन स्थानीय पुलिस ने आज तक प्रकरण दर्ज करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। आखिरकार शहडोल संभागायुक्त,पुलिस उप महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद बुधवार को प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पीड़ित छात्राओं ने बताया कि वे अमरकंटक की विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। हॉस्टल में कमरा नहीं मिलने के कारण उन्होंने कैंपस के बाहर एक तीसरी लड़की के साथ शेयरिंग रूम लिया था। वह लड़की समय पर किराया नहीं देती थी। करीब दो महीने पहले वह लड़की बिना बताए अपना सामान समेट कर रूम छोड़कर जाने लगी। जब पीड़ित छात्राओं ने मकान मालिक को बुलाकर उसे रोका तो वह झगड़ा करने लगी। जाते-जाते उसने धमकी दी- मैं जब तक तुम दोनों को बदनाम नहीं करा दूंगी, तब तक चैन से नहीं रहूंगी। धमकी के कुछ दिनों बाद ही पीड़ित छात्राओं के पास परिचितों के फोन आने लगे। जांच करने पर पता चला कि सोशल मीडिया पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट्स बनाए गए हैं। पीड़ित छात्राओं के अनुसार हमारी पूर्व रूममेट और उसका भाई एआई की मदद से हमारे अश्लील वीडियो एडिट कर विश्वविद्यालय के ग्रुप और हमसे जुड़े लोगों को भेजने लगे। जब हमने उस लड़की से बात की तो उसने स्वीकार किया कि वह अपने भाई के साथ मिलकर हमें बदनाम करने के लिए यह सब कर रही है। हमने उसकी मां से भी शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

आगरमालवा: हाईवे पर ट्रक-बोलेरो की भिड़ंत में नौ लोग घायल

आगरमालवा,(ए.)। मध्य प्रदेश के आगरमालवा जिले में उज्जैन-गरोठ फोरलेन मार्ग पर ग्राम महुड़िया के पास बुधवार को एक ट्रक-बोलेरो की हुई जोरदार टक्कर से बोलेरो में सवार 9 लोग घायल हो गए। इनमें से गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को जिले के बड़ौद स्वास्थ केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद आगरमालवा जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, बोलेरो वाहन फोरलेन पर जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आए एक अज्ञात ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को वाहन से बाहर निकाला तथा पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिले के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौद पहुंचाया गया वहां चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया तथा हादसे में गंभीर रूप से घायल 8 लोगों गोपालसिंह, मुन्नाबाई, रोड़ाबाई, जतनबाई, कृष्णाबाई, भागूबाई, रामकुंवर बाई, दुर्गाकुंवर तथा कुशालसिंह को आगे के ईलाज हेतु आगरमालवा जिला अस्पताल रेफर किया।

व्यापार समाचार

आरबीआई ने नहीं लिया कागजी नोट बंद करने का फैसला, पीआईबी फैक्ट चेक में वायरल दावा निकला फर्जी

नई दिल्ली (ए)। सोशल मीडिया पर इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के भ्रामक दावे वायरल हो रहे हैं। इन दावों को लेकर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी और साफ किया है कि वायरल हो रही जानकारी पूरी तरह फर्जी है। पीआईबी फैक्ट चेक ने वायरल दावे का खंडन करते हुए बताया कि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया जा रहा है कि आरबीआई 30 जून 2026 से कागज के नोटों को वापस लेकर उनकी जगह प्लास्टिक करेंसी नोट जारी करने जा रहा है। पीआईबी ने इस दावे को पूरी तरह फर्जी बताया है। पीआईबी के अनुसार, आरबीआई की ओर से ऐसी कोई योजना नहीं बनाई गई है। न तो कागज के नोट वापस लिए जा रहे हैं और न ही उन्हें प्लास्टिक नोटों से बदलने की कोई घोषणा की गई है। पीआईबी की ओर से अपील की गई है कि वे ऐसी किसी भी जानकारी पर विश्वास करने से पहले आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि जरूर

करें। एक अन्य 'एक्स' पोस्ट के जरिए पीआईबी फैक्ट चेक ने एक और बड़े ऑनलाइन निवेश घोटाले को लेकर भी चेतावनी जारी की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर चल रहे एक विज्ञापन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एक वीडियो दिखाया जा रहा है। वीडियो में दावा किया गया है कि मात्र 22,000 रुपए के निवेश पर प्रतिदिन 60,000 रुपए तक और हर महीने 16 लाख रुपए तक की कमाई की जा सकती है। पीआईबी ने जांच के बाद बताया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार किया गया है।

पीआईबी ने स्पष्ट किया कि न तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और न ही भारत सरकार ने किसी ऐसे निवेश मंच या योजना का समर्थन, प्रचार या अनुमोदन किया है।पीआईबी ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि साइबर ठग अक्सर फर्जी वीडियो, बड़े मुनाफे के झूठे वादे और सरकारी हस्तियों के नाम का इस्तेमाल करके लोगों को धोखा देने की कोशिश करते हैं। ऐसे मामलों में किसी भी निवेश से पहले आधिकारिक स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करना बेहद जरूरी है। साथ ही पीआईबी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें भारत सरकार से जुड़ी कोई संदिग्ध या भ्रामक सामग्री दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत पीआईबी फैक्ट चेक को दें। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर +91 8799711259 जारी किया गया है।

मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 22,908 करोड़ रुपए का निवेश, फ्लेक्सी-कैप फंड रहे सबसे आगे

मुंबई (ए.)। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेशकों की मजबूत रुचि जारी रही, जिससे इसमें 22,907.77 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) दर्ज किया गया। म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधित परिसंपत्ति (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट-एयूएम) बढ़कर 81.58 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। वहीं, कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 27.65 करोड़ हो गई, जो वित्तीय बाजारों में खुदरा निवेशकों की लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

भारत में बनेगा Meta का पहला AI डेटा सेंटर, रिलायंस के साथ साझेदारी; शेयरों में उछाल

नई दिल्ली (ए.) सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी Meta ने भारत में अपना पहला AI-सक्षम डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी की है। यह अत्याधुनिक परियोजना गुजरात के जामनगर में विकसित की जाएगी और इसे भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।इस घोषणा के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी देखने को मिली। कंपनी का शेयर 1.53 प्रतिशत बढ़कर 1,289 रुपये तक पहुंच गया।रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज 168 मेगावाट क्षमता वाला आधुनिक डेटा सेंटर विकसित करेगी। परियोजना को अगले दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि भविष्य में इसकी क्षमता बढ़ाने की संभावना भी बनी रहेगी।इस प्रोजेक्ट के तहत रिलायंस डेटा सेंटर की डिजाइनिंग, निर्माण, बिजली एवं यूटिलिटी प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित संपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाएं उपलब्ध कराएगी। यह समझौता Meta और रिलायंस के बीच पहले से मौजूद रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। दोनों कंपनियां पूर्व में भी भारत तथा कुछ अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए AI-आधारित एंटरप्राइज समाधान विकसित करने में सहयोग कर चुकी हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने इस साझेदारी को भारत के डिजिटल विकास के लिए एक परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने कहा, "Meta जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए भारत का पहला समर्पित AI डेटा सेंटर विकसित करना इस बात का संकेत है कि भारत वैश्विक AI क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। जामनगर भविष्य में हाइपरस्केल AI कंप्यूटिंग का प्रमुख केंद्र बन सकता है।"Meta के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि कंपनी भारत में अपना पहला AI-सक्षम डेटा सेंटर स्थापित करने को लेकर उत्साहित है। उनके अनुसार, जामनगर में विकसित होने वाली यह विश्वस्तरीय सुविधा हमारी वैश्विक AI इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमता को मजबूत करेगी और भारत में हमारे दीर्घकालिक निवेश को नई दिशा देगी। दुनियाभर में AI तकनीक को लेकर प्रतिस्पर्धा लगातार तेज हो रही है। ऐसे में Meta का भारत में AI डेटा सेंटर स्थापित करने का फैसला देश को वैश्विक AI इकोसिस्टम में अधिक मजबूत स्थिति दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा और डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, AI अनुसंधान तथा डिजिटल सेवाओं के क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

लग्जरी कार प्रेमियों को तगड़ा झटका, 1 जुलाई से महंगी होने जा रही हैं ये गाड़ियां; कंपनी ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप भी इस साल बीएमडब्ल्यू (BMW) की लग्जरी कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद जरूरी खबर है। देश में कारों की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच अब मशहूर लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने भी अपने पूरे पोर्टफोलियो की कीमतों में बढ़ोतरी करने का बड़ा ऐलान कर दिया है। आगामी 1 जुलाई से कंपनी की कारें खरीदना काफी महंगा हो जाएगा। कंपनी ने अपनी सभी गाड़ियों के दामों में 2 फीसदी तक का इजाफा करने का फैसला किया है। कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, कीमतों में किया जा रहा यह 2 फीसदी का इजाफा बीएमडब्ल्यू और मिनी (MINI) रेंज की सभी गाड़ियों पर समान रूप से लागू होगा। इस बढ़ोतरी के पीछे की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपये की गिरती कीमत (कमजोर वैल्यू) और लगातार बढ़ते लॉजिस्टिक (माल ढुलाई) के दाम हैं। इन मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियों के कारण इनपुट कॉस्ट बढ़ गई है, जिसकी भरपाई के लिए कंपनी को यह कदम उठाना पड़ा है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, हरदीप सिंह बरार ने इस फैसले को लेकर स्थिति साफ की है। उन्होंने बताया कि भारतीय बाजार में गाड़ियों की जबरदस्त डिमांड और बेहतरीन प्रोडक्ट रेंज होने की वजह से बीएमडब्ल्यू ग्रुप लगातार नए माइलस्टोन स्थापित कर रहा है। लेकिन मौजूदा मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियों के बीच अपने प्रीमियम स्टैंडर्ड और क्वालिटी को बनाए रखने के लिए कंपनी अपने पूरे पोर्टफोलियो की कीमतों में 2 फीसदी की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर हुई है।

मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 22,908 करोड़ रुपए का निवेश, फ्लेक्सी-कैप फंड रहे सबसे आगे

मुंबई (ए)। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेशकों की मजबूत रुचि जारी रही, जिससे इसमें 22,907.77 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) दर्ज किया गया। म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधित परिसंपत्ति (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट-एयूएम) बढ़कर 81.58 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। वहीं, कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 27.65 करोड़ हो गई, जो वित्तीय बाजारों में खुदरा निवेशकों की लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। श्रेणीवार आंकड़ों के अनुसार, फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सबसे अधिक 5,175.54 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। इसके बाद स्मॉल-कैप फंड्स में 4,945.57 करोड़ रुपए और मिड-कैप फंड्स में 4,385.06 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया।फ्लेक्सी-कैप, स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड्स में कुल मिलाकर 14,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया, जो मई में इक्विटी फंड्स में हुए कुल निवेश का 63 प्रतिशत से ज्यादा है। इससे पता चलता है कि निवेशक विविधीकृत (डायवर्सिफाइड) और व्यापक बाजार आधारित निवेश रणनीतियों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वहीं, लार्ज एंड मिड-कैप फंड्स में 3,278.22 करोड़ रुपए और मल्टी-कैप फंड्स में 2,291.01 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

मई के दौरान हाइब्रिड स्कीमों में भी निवेशकों का रुझान सकारात्मक रहा। इस श्रेणी में कुल 10,560.24 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। हाइब्रिड फंड्स में आर्बिट्रेज फंड्स सबसे आगे रहे, जिनमें 5,697.90 करोड़ रुपए का निवेश आया।

शेयर बाजार सपाट बंद

मुम्बई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अंतिम समय पर बिकवाली हावी होने से बाजार ने आज दिन भर में हासिल बढ़त गंवा दी। शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन में एक समय बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक की बढ़त पर था पर आंखिरी घंटे में उसने ये बढ़त खो दी । जिससे बाजार बंद होते समय सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ जबकि निफ्टी में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.42 अंक बढ़कर हल्की तेजी के साथ 73,983.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.15 अंक की गिरावट के साथ 23,214.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं निफ्टी में कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 1.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.33 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर गिरे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

फुलाया गया गुब्बारा फूट चुका

फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरू होने से सिर्फ दस दिन पहले फीफा को सस्ते में प्रसारण अधिकार बेचने पड़े हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय बाजार को लेकर फुलाया गया गुब्बारा अब फूट चुका है।ज़ी ग्रुप का फिर से खेल प्रसारण के क्षेत्र में उतरना अच्छी खबर है। रिलायंस ग्रुप के डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लेने और सोनी लिव के भारतीय बाजार में हाथ खींच लेने के बाद जियो-हॉटस्टार की लगभग मोनोपॉली बन गई थी। अब ज़ी ग्रुप ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप का टीवी एवं डिजिटल प्रसारण अधिकार खरीद कर फिर से प्रतिस्पर्धा की संभावना जगाई है। बहरहाल, इस क्रम में भारतीय खेल प्रसारण बाजार के सिकुड़ने के संकेत भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 2022 के फीफा वर्ल्ड कप के प्रसारण का अधिकार रिलायंस ग्रुप के वायकॉम-18 एवं जियो सिनेमा ने तकरीबन छह करोड़ डॉलर में खरीदे थे।अब चार साल ज़ी ने 2026 और 2030 के वर्ल्ड कप समेत फीफा के नौ टूर्नामेंट्स के प्रसारण का अधिकार सिर्फ साढ़े तीन करोड़ डॉलर में खरीद लिए हैँ। बताया जाता है कि 2022 में वर्ल्ड कप प्रसारण के दौरान सिर्फ करीब 300 करोड़ रुपये के विज्ञापन ही जुटाए जा सके। इस कारण इस बार इस टूर्नामेंट का बाजार भाव गिर गया। फीफा ने आरंभिक कीमत सिर्फ 2026 के टूर्नामेंट के लिए 10 करोड़ डॉलर रखी थी। जियो हॉटस्टार ढाई करोड़ डॉलर से ज्यादा देने को तैयार नहीं हुआ। सोनी भी शुरुआती बातचीत के बाद मैदान से हट गया। तो टूर्नामेंट शुरू होने से सिर्फ दस दिन पहले फीफा को सस्ते में प्रसारण अधिकार बेचने पड़े।यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय बाजार को लेकर फुलाया गया गुब्बारा अब फूट चुका है। कुछ समय पहले ये गौरतलब खबर आई थी कि जियो हॉटस्टार आईसीसी के साथ अपने क्रिकेट प्रसारण समझौतों पर फिर से सौदेबाजी करना चाहता है। इसका कारण है कि मीडिया अधिकार पाने की लागत बहुत अधिक (138 करोड़ रुपये प्रति मैच) पड़ी है, जबकि विज्ञापन राजस्व उतना नहीं है। आम समझ है कि अगले साल जब फिर से मीडिया अधिकार बिकेंगे, तो आईसीसी को पहले से कम भाव पर ये बिक्री करनी होगी। तो कुल मिला कर सिर्फ आईपीएल हॉट प्रोपर्टी बना हुआ है, हालांकि इस वर्ष उसकी टीवी दर्शक संख्या पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

विश्व-रंग: वेनेजुएला के बाद क्या क्यूबा की बारी है

डॉ. सुधीर सक्सेना

अमेरिका की आँखों में मिर्ची सा लगता है
हवाना के सिगार का धुआँ
(लंबी कविता बीसवीं सदी इक्कीसवीं सदी से)

यह आज की बात नहीं है, बल्कि बीती कई दहाइयों से अमेरिका के लिये बुकनी सा कष्टप्रद यह सिलसिला जारी है। दरअसल यह तकलीफदेह क्रम सन 1959 में फिदेल कास्त्रो के कू-दे-ता के जरिये सत्ता में आने के ऐन दिन से शुरू हो गया था। फिदेल को अपदस्थ करने अथवा मारने की सीआईए की सारी कोशिशें विफल रहीं। अमेरिका उनकी मुश्कें नहीं कस सका। उलटे फिदेल वैश्विक नेता के तौर पर उभरते गये और उन्होंने दुनिया भर के मुक्तिकामी जनों को आकर्षित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत और क्यूबा के संबंधों को नयी ऊंचाई और सान्द्रता मिली। शीतयुद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद क्यूबा को मुसीबतों से दो-चार होना पड़ा। रही सही कसर अमेरिका की आर्थिक पाबंदियों ने पूरी कर दी। जारी वर्ष के प्रारंभ में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण से अनेक छोटे और निर्बल राष्ट्र सकते में आ गये। यूं तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के अभीष्ट की पूर्ति के लिये ही अमेरिका ने इस्रायल के सहयोग से 28 फरवरी को ईरान पर धावा बोला था और उसे अली खामेनेई समेत अनेक बड़े ईरानी नेताओं को मारने में कामयाबी भी मिली, अलबत्ता उसकी मंशा पूरी नहीं हुई। अब यह सवाल सारी दुनिया में खतरे की घंटी की मानिंद घनघना रहा है कि क्या वेनेजुएला और ईरान के बाद अब बारी क्यूबा की है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशना कठिन इसलिये नहीं है क्योंकि जिद्दी और अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप अपनी खब्त में कुछ भी कर सकते हैं। दूसरे सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के 14 मई को

हवाना की यात्रा और खुलेआम अंतिमेत्थम ने अमेरिका-क्यूबा के कसैले संबंधों मंह इजाफा कर एक करोड़ से कुछ अधिक क्यूबावासियों की रगों में सिहरन पैदा कर दी है।

आज नहीं, अर्से से क्यूबा के नसीब में चैन नहीं है और अमेरिकी धौंस, दबंगई और दादागिरी से उसकी मुसीबतों की गठरी भारी होती जा रही है। राजधानी हवाना समेत पूरा क्यूबा अंधेरे में डूबा हुआ है। क्यूबा अभूतपूर्व ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। डीजल और पेट्रोल का भंडार खत्म हो गया है। उसका अपना तेलशोधक संयंत्र फरवरी में आग की भेंट चढ़ गया। तेल की आपूर्ति के लिये उसका मुख्य आलंबन वेनेजुएला था, मगर अब वेनेजुएला अमेरिका का बंधक राष्ट्र है। ऊर्जा संकट का असर, शिक्षा, आहार, चिकित्सा आदि की प्रणालियों पर भी पड़ रहा है। हालत यह है कि राजधानी हवाना में नागरिकों को बाईस-बाईस घंटे ब्लैक आउट का सामना करना पड़ रहा है स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प हैं और लोगों को खाना पकाने के लाले पड़ गये हैं। फलत: असंतोष गहरा रहा है और मुसीबतज़दा लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।

क्यूबा के इतिहास पर दृष्टिपात करें तो बीते करीब पांच शतियों में उसके संघर्ष की तस्वीर उभरती है। 20 अक्टूबर, सन 1492 को कोलंबस की खोज के बाद यह कैरेबियन-द्वीप समूह स्पेन का उपनिवेश रहा। सन 1868 में इसने स्वतंत्रता की घोषणा की और सन 1895 में आजादी की लड़ाई छेड़ी। सन 1898 में उसे मान्यता तो मिली, लेकिन वह अमेरिका के चंगुल में फँस गया। इसका अंत अंततः मई, 1902 में हुआ, जब वह गणतंत्र बना। लेकिन यह सौभाग्य भी अधिक दिन टिका नहीं। सन 1933 में कूदेता से बातिस्ता सत्ता में आये और करीब पाव सदी क्यूबा ने उनकी तानाशाही झेली। इससे उसे आखिरकार सन 1959 में फिदेल कास्त्रों ने मुक्ति दिलाई। फिदेल अपनी पॉलिसी से अमेरिका की आँखों की सबसे कर्री किरकिरी बनकर उभरे। अमेरिका ने उन्हें हटाने और निपटाने के लाख जतन किये, लेकिन उसकी दाल नहीं गली। फिदेल दशक-दर-दशक उसकी छाती पर मूंग दलते रहे। उन्होंने महाबली अमेरिका की नाक तले कम्युनिस्ट रिजीम खड़ी कर दी। सन 1962 का मिसाइल प्रसंग दुनिया भूली नहीं है। यह शीत युद्ध का चरम प्रसंग था। बहरहाल, कास्त्रों ने शिक्षा, चिकित्सा और आवास पर खूब ध्यान दिया। मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ते मकानों से उन्होंने क्यूबा का हुलिया बदल दिया। उन्होंने अफ्रीकी देशों व अन्यत्र डॉक्टरों की टोलियां भेजीं और दुनिया में अमेरिकी शिकंजे को तोड़ने का भरसक प्रयास किया। फलत: विश्व में मुक्ति कामी का जनता का यह लाड़ला नायक अमेरिका के लिये मोस्ट वांटेड और खलनायक हो गया। उसके कृत्यों में सोवियत संघ उसका सरपरस्त और सहयोगी रहा। आज भी रूस और चीन उसके सहयोगी राष्ट्र हैं। रूस ने इसी साल 30 मार्च को एक लाख टन कच्चा तेल भेजा और चीन ने 80 मिलियन डॉलर की मदद और 60 हजार टन चांवल देने का ऐलान किया। इसी क्रम में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आठ मिलियन और फिर साढ़े पांच मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की। क्यूबा के खिलाफ वाशिंगटन के दबाव के चलते लातिनी अमेरिकी देशों में क्यूबा से कन्नी काटने का दायरा बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको की क्लाडिया शीनबाम क्यूबा समर्थक हैं, लेकिन फरवरी में तेल से लदे दो पोत भेजन के पश्चात उन्होंने ट्रंप की नाराजगी के भय से क्यूबा को मदद से हाथ खींच लिये हैं। अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई अमेरिका के समर्थन में हैं, तो ब्राजील के लूला डिसिल्वा असमंजस में। चीले के गैब्रियल बोरिस ने क्यूबा पर पाबंदी को आपराधिक करार दिया था, लेकिन नये राष्ट्राध्यक्ष जोस अंतोनिया ने दो टूक कह दिया है कि क्यूबा को मदद से वहां तानाशाही के पाये मजबूत होंगे। अमेरिकी दबाव का असर अन्यत्र भी हो रहा है। निकारागुआ ने क्यूबनों के लिए वीजा फ्री एंट्री बंद कर दी है, तो ग्वाटेमाला ने क्यूबा की मेडिकल ब्रिगेडों की चरणबद्ध वापसी का कदम उठाया है। इसी क्रम में इक्वेडोर ने क्यूबा के राजदूत वसीलो गुटीरेज को देश निकाला दे दिया है।

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

एक जून से लागू हुआ भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है। यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी। भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। रोज़गार सृजन -यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे। भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है। किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है। घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा। समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है। दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी — जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है। सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है। महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है।ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है। एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा। यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

ग्लोबल वार्मिंग उबलती धरती और सत्तावादी महत्वाकांक्षाएं।

ग्लोबल वार्मिंग आज कोई वैज्ञानिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कठोर यथार्थ है। पृथ्वी का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है। कभी असहनीय गर्मी लोगों का जीवन संकट में डाल देती है, तो कभी अचानक होने वाली अतिवृष्टि शहरों और गाँवों को जलमग्न कर देती है। कहीं अनावृष्टि के कारण खेत सूख रहे हैं, तो कहीं बाढ़ किसानों की वर्षों की मेहनत बहाकर ले जा रही है। ॠतुओं का स्वाभाविक चक्र अव्यवस्थित हो चुका है। बसंत और शरद जैसे मधुर मौसम सिमटते जा रहे हैं, जबकि गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्रकृति बार-बार चेतावनी दे रही है कि विकास की अंधी दौड़ में हमने उसके साथ अन्याय किया है। जंगलों की कटाई, औद्योगिक प्रदूषण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को धीरे-धीरे बीमार बना रहा है। कभी हिमालय की चोटियाँ समय से पहले पिघलने लगती हैं, तो कभी समुद्र का बढ़ता जलस्तर तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा बन जाता है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का संकट है। मानव सभ्यता आज ऐसे दोहरे संकट के दौर से गुजर रही है, जहाँ एक ओर प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है और दूसरी ओर राजनीति की महत्वाकांक्षाएँ विश्व में वैमनस्य, संघर्ष और अविश्वास का वातावरण निर्मित कर रही हैं। धरती का तापमान बढ़ रहा है, ॠतुओं का स्वभाव बदल रहा है, नदियाँ अपने प्रवाह से भटक रही हैं, और दूसरी तरफ राष्ट्र अपनी शक्ति, प्रभुत्व और विस्तारवादी नीतियों के कारण मानवता को युद्धों के मुहाने पर खड़ा कर रहे हैं। यदि समय रहते इन दोनों संकटों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। दूसरी ओर, विश्व राजनीति का परिदृश्य भी कम चिंताजनक नहीं है। वैश्विक मंच पर सहयोग और सहअस्तित्व की भावना कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। अनेक देशों के बीच अविश्वास, प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की होड़ बढ़ती जा रही है। युद्धों और संघर्षों की विभीषिका ने करोड़ों लोगों का जीवन प्रभावित किया है। कहीं सीमाओं के विस्तार की आकांक्षा है, कहीं सामरिक प्रभुत्व की लालसा, तो कहीं आर्थिक हितों की रक्षा के नाम पर संघर्षों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

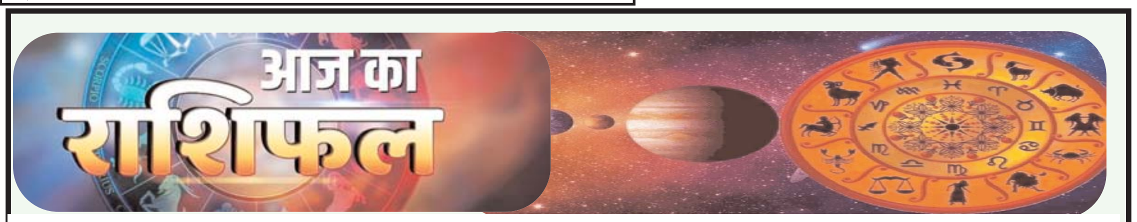

मेष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तक-कुंतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। श

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कर्क- किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

सिंह- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

कन्या- शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवासए मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

वृश्चिक- स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

धनु- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मकर- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है।

कुंभ- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मोदी युग के बारह वर्ष: विकास, विश्वास और विराट का उदय

– ललित गर्ग

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया। मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है। इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

ममता की करीबी राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने दिया इस्तीफा, टीएमसी को एक और झटका

नई दिल्ली, (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की करीबी मानी जाने वाली राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।सुष्मिता देव का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब टीएमसी पहले से ही अंदरूनी असंतोष और नेताओं के पार्टी छोड़ने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में उनके इस कदम को पार्टी के लिए एक और बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।हालांकि, उनके इस्तीफे के कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सुष्मिता देव लंबे समय से टीएमसी का प्रमुख चेहरा रही हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की सक्रिय प्रवक्ता एवं प्रतिनिधि के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।उनके इस्तीफे के बाद राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं और अब सभी की नजरें उनके अगले राजनीतिक कदम पर टिकी हैं।

पेट्रोल-सिलिंडर के बाद अब फ्लाइट टिकट भी होगी महंगी, जेट फ्यूल हुआ महंगा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सरकार की नई प्राइस स्टेबलाइजेशन स्कीम के तहत घरेलू एयरलाइंस अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतें तीन साल तक के लिए तय कर सकेंगी। इसी बीच सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने जेट फ्यूल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है।नई व्यवस्था के अनुसार, इस स्वैच्छिक योजना को अपनाने वाली एयरलाइंस को एटीएफ के लिए 115 रुपये प्रति लीटर की निश्चित कीमत चुकानी होगी। इससे पहले यह कीमत 104.927 रुपये प्रति लीटर थी।जो एयरलाइंस इस योजना में शामिल नहीं होंगी, वे बाजार आधारित दरों पर ही ईंधन खरीदती रहेंगी। वर्तमान में यह दर लगभग 142 रुपये प्रति लीटर है, जो अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों के बराबर है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना पूरी तरह वैकल्पिक है और एयरलाइंस स्वयं तय करेंगी कि उन्हें इसमें शामिल होना है या नहीं। योजना का लाभ लेने वाली एयरलाइंस लॉक-इन अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रहेंगी।वहीं, जो एयरलाइंस इस फ्रेमवर्क से बाहर रहेंगी, उन्हें बाजार मूल्य में गिरावट का लाभ तो मिल सकता है, लेकिन कीमतों में बढ़ोतरी की स्थिति में अतिरिक्त लागत का बोझ भी स्वयं वहन करना होगा।

दर्दनाक हादसा : ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर, चार लोगों की मौत; 10 घायल

बहराइच, (आरएनएस)। बहराइच जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दस अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में लखनऊ से रुपईडीहा जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस को तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें हरदी पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जहां 3 यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि रोडवेज बस लखनऊ से बहराइच होते हुए रुपईडीहा जा रही थी। भगवानपुर चौराहे के करीब सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बस को टक्कर मार दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रमपुरवा भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) विश्वजीत चौधरी ने बताया, प्राप्त जानकारी के अनुसार चार लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि दस लोग घायल हुए हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का बहराइच मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है, जहां डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। बहराइच पुलिस ने भी जानकारी दी कि दुर्घटना के बाद सभी घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पीएम मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने, जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रमुख के तौर पर 12 साल पूरे कर लिए हैं। पीएम मोदी ने चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर 4,399 दिनों तक पद पर रहने का पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तुलना के लिए नेहरू के 1952 से शुरू हुए कार्यकाल को आधार माना गया है, क्योंकि देश के पहले आम चुनाव होने से पहले, 1947 से 1952 के बीच वे अंतरिम सरकार के प्रमुख थे।

हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 14 साल से ज्यादा समय तक पद पर रहीं, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार नहीं था। इस वजह से पीएम मोदी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने 2014 में पहली बार शपथ लेने से लेकर 2019 में लगातार दूसरी बार और 2024 में ऐतिहासिक रूप से लगातार तीसरी बार जनादेश हासिल करने तक सेवा की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दौर में कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्र-निर्माण प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए गए हैं, जिनमें नया संसद भवन, सेंट्रल

विस्टा का रीडेवलपमेंट, कर्तव्य पथ, वंदे भारत ट्रेनें, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, आईएनएस विक्रांत, कश्मीर रेल लिंक, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नमो भारत आरआरटीएस और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं।

इसी बीच, नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) बुधवार को राजधानी में एक अहम बैठक करेगा। यह बैठक केंद्र में एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने का जश्न मनाने के लिए आयोजित की जाएगी।

भारत मंडपम में होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के शीर्ष नेताओं, एनडीए-शासित सभी 22 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ गठबंधन की सहयोगी पार्टियों के नेताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है।

सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान एनडीए एक प्रस्ताव पास कर सकता है जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने की ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में राजनाथ सिंह, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और शिवराज सिंह चौहान समेत केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्री और एनडीए के अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

यह बैठक एनडीए सरकार के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है और उम्मीद है कि इसमें गठबंधन की उपलब्धियों, भविष्य की नीतिगत प्राथमिकताओं और राजनीतिक रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्य चर्चाएं शासन से जुड़ी पहलों, विकास कार्यक्रमों और आगामी चुनावी चुनौतियों की तैयारियों के इर्द-गिर्द होने की संभावना है।

हवा में उड़ान भरते ही एयर इंडिया की फ्लाइट से टकराया पक्षी, बाल-बाल बची 124 यात्रियों की जान

राजकोट,(आरएनएस)। राजकोट के हीरासर (राजकोट इंटरनेशनल) एयरपोर्ट पर आज एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। राजकोट से देश की राजधानी दिल्ली जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के टेक-ऑफ करते ही एक पक्षी जोरदार तरीके से उससे टकरा गया। इस अप्रत्याशित घटना से हवा में ही अनहोनी की आशंका बन गई थी, लेकिन पायलट ने गजब की सूझबूझ और फुर्ती दिखाते हुए तुरंत एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी। इस फ्लाइट में कुल 124 यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिए जाने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और यात्रियों ने राहत की गहरी सांस ली। मिली जानकारी के मुताबिक, रनवे से उड़ान भरते ही जब पक्षी विमान से टकराया, तो इंजन का प्रोपेलर (ब्लेड) बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इंजन में आई इस अचानक तकनीकी खराबी और संभावित बड़े खतरे को भांपते हुए, पायलट ने बिना कोई देरी किए तुरंत ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से संपर्क साधा। एटीसी को स्थिति से अवगत कराने के बाद, पायलट ने फ्लाइट को वापस रनवे की तरफ मोड़ा और सफलतापूर्वक लैंड कराया, जिससे एक बड़ी त्रासदी होने से बच गई। इस गंभीर घटना के बाद उड्डयन नियामक (एविएशन रेगुलेटर) पूरी तरह से सक्रिय हो गया है।

अमेरिका में भगवान की पूजा कराकर डॉलर में कमाई कर रहे भारतीय पंडित, जानें एक कथा की कितनी है फीस?

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका में बसने वाले भारतीय समुदाय ने अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को सात समंदर पार भी पूरी शिद्दत से संजोकर रखा है। वहां आज भी पूजा-पाठ और अनुष्ठानों का वही महत्व है, जो भारत में है। यही वजह है कि अमेरिका में बने बड़े मंदिरों और घरों में होने वाले धार्मिक आयोजनों के लिए भारतीय पंडितों की मांग लगातार आसमान छू रही है। ऐसे में हर किसी के मन में यह उत्सुकता रहती है कि आखिर अमेरिका में पूजा कराने वाले पंडित कितनी कमाई करते हैं और वे वहां तक कैसे पहुंचते हैं।

सत्यनारायण कथा और गृह प्रवेश की मिलती है तगड़ी फीस

अमेरिका में किसी भी छोटे-बड़े धार्मिक अनुष्ठान के लिए पंडितों को बहुत अच्छी फीस दी जाती है। अगर कोई भक्त अपने घर में सत्यनारायण भगवान की कथा और पूजा करवाता है, तो इसके लिए आमतौर पर 300 से 350 डॉलर तक का शुल्क लिया जाता है। इसके अलावा कई बार मंदिरों में पूजा करवाने पर 100 से 150 डॉलर का अतिरिक्त मंदिर शुल्क भी देना पड़ता है। वहां रहने वाले भारतीय जब नई कार खरीदते हैं, नया घर लेते हैं या कोई नया व्यवसाय शुरू करते हैं, तो शुभ शुरुआत के लिए पूजा जरूर करवाते हैं। शादी-विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे बड़े आयोजनों में तो पंडितों की फीस सैकड़ों डॉलर के पार चली जाती है। पूजा सामग्री की व्यवस्था भी अतिरिक्त शुल्क देकर पंडितों से कराई जा सकती है।नवरात्र, सावन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, रामनवमी और दीपावली जैसे प्रमुख हिंदू त्योहारों के दौरान अमेरिका में पंडितों की मांग कई गुना बढ़ जाती है।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार कार्यकाल में भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी।

नीट री-एग्जाम से पहले एनटीए दफ्तर पहुंचे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रिजल्ट को लेकर कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट का पेपर लीक होने के बाद अब 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित होने जा रही है। 3 मई को हुई परीक्षा के रद्द होने के बाद देशभर में हुए भारी प्रदर्शन और उठते सवालों के बीच, सरकार अब किसी भी हाल में इस नीट री-एग्जाम को 'लीक प्रूफ' बनाने की पूरी तैयारी में जुटी हुई है। इसी कड़ी में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान खुद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के मुख्यालय पहुंचे और वहां चल रही तमाम व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए नीट परीक्षा के रिजल्ट और आगे की रणनीति को लेकर एक बहुत बड़ा अपडेट साझा किया है।

रिजल्ट को लेकर शिक्षा मंत्री ने छात्रों से कही ये अहम बात

नीट री-एग्जाम से पहले लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर परीक्षा का रिजल्ट कब तक जारी किया जाएगा, ताकि मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। इस पर स्थिति साफ करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार ने पहले ही वादा किया है कि इस बार नीट की परीक्षा पूरी तरह से सुरक्षित और लीक प्रूफ होगी। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस बार परीक्षा का रिजल्ट बिल्कुल सटीक समय पर जारी किया जाएगा ताकि किसी भी बच्चे का अकादमिक नुकसान न हो। इसके साथ ही उन्होंने छात्रों से खास अपील की है कि वे किसी भी बात की चिंता किए बिना अपना पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई पर केंद्रित रखें।

कई बड़े मंत्रालयों के साथ चल रही है उच्च स्तरीय बातचीत

शिक्षा मंत्री ने परीक्षा की फुलप्रूफ तैयारियों को लेकर आ रही चुनौतियों का भी विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए वे लगातार सरकार के अन्य अहम मंत्रालयों के संपर्क में हैं।

मसूरी-देहरादून हाईवे पर 500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 4 पर्यटकों की दर्दनाक मौत

देहरादून,(आरएनएस)। उत्तराखंड के मसूरी-देहरादून मार्ग पर बुधवार को एक बेहद खौफनाक सड़क हादसा हो गया। कोल्हूखेत के पास एक अनियंत्रित कार करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस भयानक हादसे में दिल्ली-एनसीआर के रहने वाले चार पर्यटकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया, लेकिन खाई इतनी गहरी थी कि किसी भी यात्री को जिंदा नहीं बचाया जा सका।

पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब ये पर्यटक मारुति सेलेरियो कार (DL5C S4610) से उत्तरकाशी की यात्रा कर वापस लौट रहे थे। ढलान वाले घुमावदार रास्ते पर उतरते समय अचानक कार के ब्रेक फेल हो गए, जिसके चलते ड्राइवर गाड़ी से अपना नियंत्रण पूरी तरह खो बैठा। संतुलन बिगड़ने के बाद कार तेजी से सड़क से नीचे उतर गई और सीधे 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और हादसे की असली वजह का पता लगाने के लिए वाहन की मैकेनिकल जांच भी की जाएगी। गहरी खाई से काफी मशक्कत के बाद चारों शवों को निकालकर उनकी शिनाख्त कर ली गई है। मृतकों की पहचान सोनीपत निवासी सत्यप्रकाश, 19 वर्षीय युवक मनित, गाजियाबाद के नेहरू नगर निवासी 48 वर्षीय सविता (पत्नी धर्मवीर) और दिल्ली के करोल बाग निवासी 46 वर्षीय संगीता (पत्नी टीटू) के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही सभी मृतकों के परिजनों को इस मनहूस घटना की सूचना दे दी गई है।

मोदी कैबिनेट में होने जा रहा है बड़ा फेरबदल, इन 2 मंत्रियों की होगी छुट्टी; राघव चड्ढा को लेकर भी आई चौंकाने वाली खबर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राज्यसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही देश की सियासत में एक बड़ी हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक गलियारों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में बड़े फेरबदल की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की तरफ से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि टीम मोदी के कई मौजूदा मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर का रास्ता दिखाकर संगठन में नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इसके साथ ही, आगामी विधानसभा चुनावों वाले राज्यों को साधने के लिए कई नए और चौंकाने वाले चेहरों की कैबिनेट में दमदार एंट्री हो सकती है।आगामी रणनीतियों के तहत भारतीय जनता पार्टी पंजाब में खासी सक्रिय नजर आ रही है। ऐसी प्रबल संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार मोदी कैबिनेट में पंजाब के चेहरों को खास तवज्जो दी जा सकती है। भाजपा ने हाल ही में अपने महासचिव तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्यसभा सीट के लिए मैदान में उतारा है। उनके अलावा, पंजाब भाजपा की कमान संभाल चुके पूर्व कांग्रेस नेता सुनील जाखड़ के नाम की भी जोरों पर चर्चा है। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली अटकलें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से आ रही हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि आम आदमी पार्टी (AAP) से आए राघव चड्ढा को भी मोदी कैबिनेट में मौका दिया जा सकता है।

समंदर की गहराई में भी भारत का डंका, आईआईटी के छात्रों ने बनाया अनोखा एआई रोबोट; अब फ्रांस में दिखाएंगे जलवा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। आईआईटी मद्रास से निकली एक भारतीय नवाचार कंपनी ने वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, आईआईटी के छात्रों की इस कंपनी प्लैनिस टेक्नोलॉजीज का चयन फ्रांस के नीस शहर में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' के लिए किया गया है। यहां यह संस्थान भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

फ्रांस में भारतीय रिसर्च की जानकारी देते हुए बताया जाएगा कि पानी के भीतर स्थित महत्वपूर्ण ढांचों की जांच के लिए रोबोट, एआई और उन्नत विश्लेषण तकनीकों का उपयोग कैसे किया जा रहा है। यह तकनीक गोताखोरों पर निर्भरता को कम करती है व अधिक सटीक नतीजे देने में सक्षम है।

शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि 150 से अधिक ग्राहकों, 10 से ज्यादा देशों में संचालन और अनेक पेटेंट के साथ यह कंपनी भारतीय नवाचार की नई पहचान बनकर उभरी है। कंपनी की स्थापना आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्रों तनुज झुनझुनवाला और विनीत कुमार उपाध्याय ने की थी।

उन्हें आईआईटी मद्रास के प्रख्यात वैज्ञानिकों प्रोफेसर प्रभु राजगोपाल

और प्रोफेसर कृष्णन बालासुब्रमणियन का मार्गदर्शन प्राप्त है। उनके नेतृत्व में विकसित तकनीकें पानी के भीतर मौजूद संरचनाओं की जांच को अधिक सुरक्षित, तेज और सटीक बना रही हैं।

कंपनी द्वारा विकसित विशेष रोबोटिक प्रणालियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निरीक्षण मंच समुद्र, नदियों और जलाशयों के भीतर मौजूद ढांचों की स्थिति का विस्तृत आकलन करते हैं। इससे जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में मानव गोताखोरों पर निर्भरता कम होती है और निरीक्षण कार्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है। प्लैनिस की सेवाएं बंदरगाहों, पुलों, बिजली संयंत्रों, समुद्री ऊर्जा परियोजनाओं और रक्षा क्षेत्र सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपयोग की जा रही हैं।

कंपनी अब तक दुनिया भर के सैकड़ों स्थानों पर सफल निरीक्षण कर चुकी है, जिससे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और रखरखाव में सहायता मिली है। फ्रांस में होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में चयन भारतीय तकनीकी क्षमता और अनुसंधान आधारित उद्यमिता की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि भारत में विकसित अत्याधुनिक तकनीकें अब केवल देश की जरूरतों को ही पूरा नहीं कर रहीं, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पानी की गहराइयों में छिपी चुनौतियों को खोजने और उनका समाधान देने वाली यह भारतीय कंपनी आज दुनिया को दिखा रही है कि नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी उत्कृष्टता के बल पर भारत वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

निर्माला सीतारमण का फर्जी वीडियो दिखा सीनियर सिटीजन से 30 लाख ठगे

देहरादून,(आरएनएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्माण सीतारमण का फर्जी बनाया वीडियो दिखाकर साइबर ठगों ने दून के सीनियर सिटीजन से 30 लाख रुपये ठग लिए। साइबर ठगी का पता लगने पर उन्होंने साइबर अपराध थाने में तहरीर दी। जिस पर साइबर थाना देहरादून पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शास्त्रीनगर निवासी 62 वर्षीय सुदर्शन सिंह रावत इस ठगी का शिकार हुए। पीड़ित ने फेसबुक पर मंत्री का ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़ा एक वीडियो देखा। वीडियो से जुड़ी ग्लोबिनोक डॉट कॉम नाम की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर लिया। इसके बाद नौ अप्रैल को उनके पास यूके (44) वाले नंबरों से कॉल आने लगी।शुरुआत में एडवाइजर बनकर ठगों ने मात्र 200 डॉलर का निवेश कराया और इसे बेसिक अकाउंट बताया। इसके बाद गोल्ड अकाउंट की सुविधाओं और अधिक मुनाफे का लालच देकर उनसे हर दिन पैसे जमा करवाए जाने लगे। पीड़ित को फर्जी वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर उनकी रकम और ट्रेडिंग का मुनाफा दिखता रहा।ठगों ने 23 अप्रैल की रात को अचानक उनका ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज कर दिया। तब तक वह 11,700 डॉलर जमा कर चुके थे। जब पीड़ित ने पैसे निकालने चाहे, तो मात्र 50 डॉलर ही वापस किए गए। इसके बाद अकाउंट अनफ्रीज करने का दबाव बनाकर उनसे कई बार में करीब 21,700 डॉलर का अतिरिक्त निवेश कराया गया। इसके बाद भी एकाउंट से रकम नहीं निकाल पाए। जब पीड़ित को शक हुआ तो जांच करने पर पता चला कि कंपनी की वेबसाइट पूरी तरह से फर्जी है और यह भारतीय रिजर्व बैंक में पंजीकृत नहीं है।

ईरान का पलटवार : बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट पर ड्रोन हमला, जॉर्डन के बेस पर भी दागीं मिसाइलें

तेहरान (ए.)। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में बहरीन में तैनात अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट पर ड्रोन हमला किया है। इसके साथ ही जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य बेस को भी मिसाइलों से निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका की "आक्रामक कार्रवाई" जारी रही, तो ईरान और अधिक कठोर जवाब देगा। गार्ड्स के अनुसार, अमेरिकी हमलों में ईरान के दक्षिणी शहर सिरिक में एक टेलीकम्युनिकेशन टावर और पानी की दो टंकियां क्षतिग्रस्त हो गईं ।ईरानी मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी सेना ने "झूठे बहाने" बनाकर जास्क, सिरिक और केशम सहित कई इलाकों पर हमला किया। बयान में कहा गया, "युद्ध-प्रेमी अमेरिकी सरकार ने आज सुबह जास्क, सिरिक और केशम में कई स्थानों को निशाना बनाया, जिससे सिरिक में संचार टावर को नुकसान पहुंचा और पानी की दो टंकियां नष्ट हो गईं। ईरानी दावों के बीच बहरीन में मिसाइल अलर्ट सायरन बजाए गए। बहरीन के गृह मंत्रालय ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। बहरीन फारस की खाड़ी में सऊदी अरब

के तट के पास स्थित एक द्वीपीय देश है, जहां अमेरिकी नौसेना की फिफ्थ फ्लीट तैनात है।

CENTCOM बोला- आत्मरक्षा में किए गए हमले

वहीं, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के बाद 9 जून को ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। एक्स पर जारी बयान में CENTCOM ने कहा कि अमेरिकी एयर फोर्स और नेवी के लड़ाकू विमानों ने ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और सर्विलांस रडार साइटों पर सटीक हमले किए। बयान के अनुसार, यह कार्रवाई अमेरिकी बलों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हालिया हमलों के जवाब में की गई।

CENTCOM ने कहा, अमेरिकी सेना सतर्क है और ईरान की अनुचित आक्रामकता का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने हेलीकॉप्टर गिराए जाने के लिए तेहरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कड़े जवाब की चेतावनी दी थी।

पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान सीमा के पास बम बरसाए, 11 बच्चों समेत 13 की मौत

अफगानिस्तान (ए.)। अफगानिस्तान की तालिबान प्रशासन ने बुधवार को पाकिस्तान की सेना पर युद्ध विराम का उल्लंघन करने और 3 प्रांतों पर बमबारी करने का आरोप लगाया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में बमबारी की है, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई है। हमलों में जान गंवाने वाले 11 बच्चों के साथ बुजुर्ग और महिलाएं बताई जा रही हैं। हमले में 15 से अधिक लोग घायल हैं ।रिपोर्ट्स के मुताबिक, खोस्त प्रांत में सबसे अधिक लोग मारे गए हैं। यहां स्पेरा जिले में एक घर पर हमला हुआ था, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हैं। पड़ोसी प्रांत पक्तिका में, एक निवासी ने बताया कि तड़के हुई बमबारी में 3 लोगों की मौत हुई है। हमले के समय सभी सो रहे थे। पाकिस्तानी सेना ने अभी तक हमलों को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन के बीच इस साल की शुरूआत में संघर्ष शुरू हुआ था, जिसे फरवरी के अंत में रोक दिया गया था। बुधवार को हुआ हमला पिछले कई हफ्तों का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। पिछले महीने प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पाया गया कि इस साल के पहले 3 महीनों के संघर्ष में कम से कम 372 अफगान नागरिक मारे गए और 397 अन्य घायल हुए हैं।

अमेरिकी हमले के बाद भारतीय चालक दल ने लगाई थी आपातकालीन गुहार, तुरंत पहुंची थी मदद

दोहा,(ए)। ईरान के नियंत्रण वाले होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान के तट पर सोमवार को अमेरिकी नौसेना ने एक तेल टैंकर पर हमला किया था, जिस पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। उस हमले के बाद का एक ऑडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें एक भारतीय सदस्य अधिकारियों से आपातकालीन गुहार लगाते सुना जा रहा है। संदेश में कहा जा रहा है, कृपया मदद करें, टैंकर, एमटी मारिवेक्स, में आग लग गई है और वह डूब रहा है।

संकटकालीन कॉल पर सदस्यों ने कहा, सर, यह मोटर टैंकर मारिवेक्स है...हमारे जहाज में आग लग गई है और जहाज डूब रहा है। सदस्य ने आगे कहा, अमेरिकी नौसेना का हमला, मिसाइल हमारे इंजन रूम पर गिरी है। हमारे जहाज के निचले हिस्से में छेद हो गया है। जहाज पर आग लग गई है, कृपया मदद करें...मदद करें, मदद करें। उन्होंने कहा, सभी सदस्य भारतीय हैं। कुल 24 सदस्य हैं, सभी भारतीय हैं। हमें तत्काल सहायता की आवश्यकता है।

आपातकालीन संदेश मुंबई स्थित भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र को दोपहर लगभग 2:20 बजे मिला। उसे पता चला कि मसिराह के पास लंगर डालकर एमटी मारिवेक्स खड़ा है, जिस पर मिसाइल हमला हुआ है। उसने तुरंत ओमान समुद्री खोज और बचाव केंद्र से संपर्क किया। इसके बाद, ओमान रॉयल एयर फोर्स का एक हेलीकॉप्टर मसिराह द्वीप पर स्थित एयर बेस से 3:25 पर रवाना हुआ और 20 मिनट में मौके पर पहुंचकर सभी को बचाया।अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने एक बयान में हमले की बात स्वीकारते हुए कहा कि एक तेल टैंकर ने नाकाबंदी का उल्लंघन करके ईरानी बंदरगाह जाने का प्रयास किया, जिसे निष्क्रिय कर दिया गया। सेना ने कहा, यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) के एक एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट ने जहाज के इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग क्षेत्रों में सटीक गोलाबारी की, क्योंकि चालक दल ने अमेरिकी सेना के निर्देशों का पालन नहीं किया।

कनाडा में ड्यूटी के दौरान पंजाब मूल के पुलिस अधिकारी की मौत, अस्पताल से भागे आरोपी ने जानबूझकर चढ़ाई गाड़ी

नंगल (ए.)। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में ड्यूटी के दौरान एक खौफनाक घटना में पंजाब मूल के पुलिस अफसर तरुण बाली की मौत

हो गई है। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (OPP) में सेवारत कांस्टेबल तरुण बाली पर एक 18 वर्षीय संदिग्ध ने जानबूझकर वाहन चढ़ा दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना ने उनके पैतृक शहर पंजाब के रूपनगर जिले के नंगल और कनाडा में बसे भारतीय समुदाय को गहरे सदमे में डाल दिया है। ओंटारियो पुलिस ने मंगलवार को उनकी मौत की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि वह डफ़रिन डिटैचमेंट के साथ तैनात थे और पिछले ढाई साल से पुलिस सेवा में कार्यरत थे। ओंटारियो पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12.30 बजे हर्स्ट इलाके में केंडल कंसेशन रोड 7 और कंसेशन रोड 6 के पास हुई। जेम्स बे डिटैचमेंट के साथ स्पेशल ड्यूटी पर गई पुलिस की एक टीम वहां जांच कर रही थी, तभी एक 18 वर्षीय आरोपी ने पुलिस अधिकारियों पर तेजी से गाड़ी चढ़ा दी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह आरोपी घटना से कुछ समय पहले ही एक अस्पताल से भाग निकला था। इस भीषण हमले में तरुण बाली को गंभीर चोटें आईं और तमाम मेडिकल प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में गोलीबारी; 10 बंदूकधारियों ने घूम-घूमकर लोगों को भूना, 12 की मौत

जोहान्सबर्ग(ए.)। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में सामूहिक गोलीबारी की घटना सामने आई है, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। घटना को जोहान्सबर्ग पूर्व में क्लीवलैंड की एक अवैध बस्ती में बंदूकधारियों द्वारा अंजाम दिया गया है। गोलीबारी में 9 अन्य लोग घायल हैं। सभी मृतकों की उम्र 20 से 50 साल बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि गोलीबारी करने वाले 10 लोग थे, जिनकी तलाश शुरू कर दी गई है।सूत्रों ने पुलिस के हवाले से बताया कि क्लीवलैंड में एक पेट्रोल स्टेशन के पास एक सफेद टोयोटा क्वांटम कार से 10 से अधिक बंदूकधारी संदिग्धों को उतारा गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर दोनों प्रवेश द्वारों से अवैध बस्ती में प्रवेश किया और इलाके में घूमते हुए कई स्थानों पर निवासियों और समुदाय के सदस्यों पर गोलीबारी की। गोलीबारी के बाद वे उसी वाहन में बैठकर घटनास्थल से फरार हो गए।स्थानीय पुलिस विभाग ने बताया कि मृतकों में 8 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। मौके पर सुरक्षा बल तैनात है। अभी तक गोलीबारी के कारणों का पता नहीं चला है। सरकारी जांच एजेंसियों ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद भड़की हिंसक आग

-पूरे ब्रिटेन में बढ़े तनाव के बीच सड़कों पर उतरी भारी भीड़

बेलफास्ट(ए.)। उत्तरी आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में एक भीषण चाकूबाजी की घटना के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा और विरोध प्रदर्शन भड़क उठे हैं। इस हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी आंख, पीठ और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस द्वारा इस मामले में 30 वर्षीय एक सूडानी नागरिक पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाए जाने और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तनाव अत्यधिक बढ़ गया। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शनों ने हिंसक रूप अख्तियार कर लिया, जिसके बाद बेलफास्ट सहित कई इलाकों में मंगलवार रात भर आगजनी और तोड़फोड़ का तांडव देखने को मिला। प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर इमीग्रेशन यानी आप्रवासन के विरोध में उग्र नारेबाजी की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस चाकू हमले को बेहद भयानक और दिल दहला देने वाला बताया है और साथ ही स्पष्ट किया है कि सड़कों पर इस तरह की हिंसा को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।हिंसा की यह आग बेलफास्ट से फैलते हुए ग्लासगो, लंदन और बांगोर जैसे शहरों तक पहुंच गई है, जहां लोग काले कपड़े पहनकर सड़कों पर विरोध दर्ज कराने उतरे। प्रदर्शन के दौरान कई उपद्रवी चेहरे ढके हुए नजर आए, जिन्होंने घरों, बसों, कारों और पुलिस बैरिकेड्स को आग के हवाले कर दिया। बेलफास्ट के पड़ोसी शहर न्यूटाउन एबी और किलकील में भी वाहनों को फूंकने की खबरें सामने आई हैं।

फीचर

मानसून से पहले साफ कर लें त्वचा की टैनिंग, बनाकर लगाएं ये 5 फेस पैक

गर्मी में त्वचा को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है सूरज की हानिकारक किरणों के कारण त्वचा पर होने वाली टैनिंग। यह समस्या खासतौर से उन लोगों के लिए होती है, जो घर से बाहर ज्यादा समय बिताते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मानसून का मौसम आने से पहले ही आप इस जिद्दी टैनिंग को साफ कर लें। इसके लिए इन 5 घर पर बने फेस पैक से त्वचा की देखभाल करें।

दही, नींबू और चावल के आटे का फेस पैक

सामग्री: 2 चम्मच दही, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच चावल का आटा। बनाने और लगाने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा, नींबू का रस और दही मिलाएं। फिर इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद चेहरे को पानी से धो लें। फायदा: यह फेस पैक त्वचा को नमी देने में मदद करता है और त्वचा की रंगत को हल्का करने में भी सहायता कर सकता है।

एलोवेरा जेल, हल्दी और चंदन का फेस पैक

सामग्री: 2 चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच चंदन पाउडर और एक चुटकी हल्दी पाउडर। बनाने और लगाने का तरीका: एक कटोरी में एलोवेरा जेल, चंदन पाउडर और हल्दी पाउडर को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। फायदा: यह फेस पैक त्वचा को मुलायम बनाने के साथ रंगत को हल्का करने में भी मदद कर सकता है, जिससे टैनिंग साफ हो जाती है।

टमाटर, बेसन और दही का फेसपैक

सामग्री: एक टमाटर, 2 चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। बनाने और लगाने का तरीका: सबसे पहले टमाटर को पीसकर उसकी प्यूरी बना लें। फिर इस गूदे को बेसन और दही के साथ मिलाकर पैक तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने पर चेहरे को पानी से धो लें। फायदा: यह फेस पैक मृत त्वचा को हटाने और रंगत को हल्का करने में मदद कर सकता है।

संतरे के छिलके, शहद और दूध का फेसपैक

सामग्री: 2 चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध। बनाने और लगाने का तरीका: एक कटोरी में इन सभी सामग्रियों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। फायदा: यह फेस पैक त्वचा की रंगत को हल्का करने समेत इसे मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

नींबू, शहद और एलोवेरा जेल का फेसपैक

सामग्री: एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच शहद और एक चम्मच एलोवेरा जेल। बनाने और लगाने का तरीका: एक कटोरी में इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। फायदा: यह त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोखकर मुंहासों से राहत दिलाता है, टैनिंग दूर करता है और इसे मुलायम बनाने में भी मदद कर सकता है।

रियलिटी शो मां है ना में शिल्पा शेट्टी के साथ अभिनेत्री निकिता रावल भी आएंगी नजर

जी5 12 जून को एक नया कॉमेडी-कुकिंग रियलिटी शो मां है ना लेकर आ रहा है। इस सीरीज में निकिता रावल के साथ शिल्पा शेट्टी भी नजर आएंगी। मां है ना एक ऐसा शो है जो खाने, हंसी-मजाक और परिवार की प्यारी कहानियों के जरिए मातृत्व को सलाम करेगा।इसमें आपको दिल छू लेने वाले पल और ढेर सारा मनोरंजन देखने को मिलेगा, क्योंकि यह शो मां के असल जज्बे को खूबसूरती से पेश करता है।निकिता इस शो में एक नए अवतार में दिखेंगी और वे शिल्पा के साथ मिलकर शो की रौनक बढ़ाएंगी। शिल्पा खाने के प्रति अपने प्रेम और पारिवारिक मूल्यों के लिए हमेशा से जानी जाती हैं। दोनों की जुगलबंदी पर्दे पर एक अलग ही ऊर्जा भरेगी, जो इस शो का मुख्य आकर्षण होगी।परिवार के मजबूत रिश्तों पर एक अनूठा नजरिया पेश करने और प्रेरणादायक कहानियों से भरा मां है ना इस साल जी5 पर आने वाले सबसे खास शोज में से एक साबित हो सकता है।

हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू की पहली झलक जारी, चौंकाएगा अभिनेत्री का अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी पर्दे पर हमेशा अलग-अलग तरह के किरदार निभाने में विश्वास रखती हैं। उनकी आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू में कुछ ऐसा ही नजर आया है, जिसकी पहली झलक जारी हो गई है। नचिकेत सामंत द्वारा निर्देशित और सलीम सिब्लिंग्स (हुमा और साकिब सलीम) द्वारा निर्मित फिल्म में हुमा को बेबी करमारकर के किरदार में पेश किया गया है। वीडियो से पता चलता है कि अभिनेत्री इसमें एक कॉन्ट्रैक्ट किलर की भूमिका निभा रही हैं।बेबी डू डाई डू का टीजर एनिमेटेड वीडियो के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें मुंबई में लगातार होने वाली हत्याओं से जुड़े रहस्यमयी हत्यारे की तलाश को दिखाया गया है। पुलिस और मीडिया रहस्यमयी व्यक्ति की तलाश में व्यस्त है। दूसरी ओर एक महिला लाल छाता लिए शहर में चुपचाप घूमती हुई नजर आती है।

मां बहन में तृप्ति डिमरी ने अभिनय से सबको किया मदहोश, दर्शक बोले एकदम असली लग रही

नेटफ्लिक्स की डार्क कॉमेडी फिल्म मां बहन में तृप्ति डिमरी के दमदार अभिनय की हर जगह तारीफ हो रही है। लोग उनके अभिनय को बेहद असली और गहरा बता रहे हैं।

उनका बोलने का अंदाज और उनका बर्ताव इतना सच्चा लगता है कि उनका किरदार दर्शकों के दिलों में उतर गया है।

तृप्ति के सूक्ष्म हाव-भाव और उनके शांत पल उनके किरदार को एक अलग गहराई देते हैं, जिससे यह किरदार जीवंत महसूस होता है।

दर्शक फिल्म में कॉमेडी को खूब पसंद कर रहे हैं। माधुरी भी फिल्म में अहम किरदार में हैं। वो बताती हैं कि उनका रेखा का किरदार आम हिंदी फिल्मों की मां जैसा बिल्कुल नहीं है और यही वजह है कि इसे निभाना उनके लिए बेहद रोमांचक रहा।

अगर आप परिवार से जुड़ी कोई ऐसी नई कहानी देखना चाहते हैं, जिसमें थोड़ा रहस्य और ढेर सारी हंसी का तड़का हो, तो यह फिल्म जरूर देखें।

लोहे की कढ़ाई खरीदने जा रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

लोहे की कढ़ाई भारतीय रसोई में एक अहम बर्तन है। यह न केवल खाना पकाने में मददगार होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। लोहे की कढ़ाई में खाना अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट बनता है। बाजार में कई प्रकार की कढ़ाई उपलब्ध हैं, और सही चुनाव करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। आइए जानते हैं कि लोहे की कढ़ाई खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भारी और मजबूत होनी चाहिए कढ़ाई

जब भी आप लोहे की कढ़ाई खरीदें, तो उसे भारी और मजबूत चुनें। भारी कढ़ाई गर्मी को समान रूप से फैलाती है, जिससे खाना अच्छी तरह पकता है और जलता नहीं है। मजबूत कढ़ाई लंबे समय तक चलती है और टूटती नहीं है। हल्की कढ़ाई जल्दी खराब हो सकती है और उसकी सतह खुरच सकती है, जिससे सेहत पर असर पड़ सकता है।

जंग से बचाव के लिए कोटिंग

लोहे की कढ़ाई पर जंग से बचाव के लिए कोटिंग होना जरूरी है ताकि वह जंग न लगे। जंग लगने पर कढ़ाई का उपयोग सुरक्षित नहीं रहता। इसलिए खरीदने से पहले जांच लें कि कढ़ाई पर जंगरोधी कोटिंग है या नहीं। इस प्रकार की कोटिंग वाली कढ़ाई लंबे समय तक टिकती है और उसमें खाना पकाने से सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा यह कढ़ाई साफ-सफाई में भी आसान होती है।

हैंडल की जांच करें

कढ़ाई के हैंडल की जांच करना भी जरूरी है क्योंकि अगर हैंडल मजबूत नहीं होगा तो पकाते समय हाथ जल सकते हैं या गिरने का खतरा रहता है। इसलिए खरीदने से पहले सुनिश्चित करें कि हैंडल अच्छी गुणवत्ता का हो और अच्छी तरह से जुड़ा हुआ हो। हैंडल ऐसा होना चाहिए, जिससे पकड़ने में आसानी हो और गर्मी का असर न हो। इससे खाना पकाते समय कोई परेशानी नहीं होगी और आप आराम से खाना बना सकेंगे।

तले की मोटाई पर दें ध्यान

लोहे की कढ़ाई के तले की मोटाई भी महत्वपूर्ण होती है। मोटा तला गर्मी को बेहतर तरीके से बनाए रखता है और खाना जलता नहीं है। पतला तला जल्दी गर्म होता है लेकिन उसमें खाना जलने का खतरा रहता है। इसलिए मोटा तला ही चुनें, जो आपके लिए उपयुक्त हो। मोटा तला न केवल खाना पकाने में मदद करता है बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहता है।

आकार पर ध्यान दें

आकार भी एक अहम पहलू होता है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। छोटे आकार की कढ़ाई रोजमर्रा की छोटी मात्रा के लिए उपयुक्त होती हैं जबकि बड़े आकार की कढ़ाई परिवार या मेहमानों के लिए बेहतर होती हैं। अपने आवश्यकतानुसार सही आकार चुनें ताकि आपको हर बार सही मात्रा में खाना बनाने में सुविधा हो। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपनी जरूरतों के अनुसार सबसे अच्छी लोहे की कढ़ाई खरीद सकते हैं।

ईरागांव में ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर रोक का लगा सूचना बोर्ड

कांकेर (ए)। जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ईरागांव में धर्मांतरण गतिविधियों को लेकर आज मंगलवार को एक सूचना बोर्ड लगाया गया है। इसमें ईसाई धर्म प्रचारक पादरी एवं पास्टरों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध की जानकारी दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार यह निर्णय ग्रामसभा में चर्चा के बाद लिया गया। कुछ दिन पहले एक महिला की मौत के बाद शव दफनाने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद यह निर्णय सामने आया। ग्रामीणों का कहना है कि धर्म परिवर्तन के बाद कुछ लोग गांव की परंपराओं, पूजा-पद्धति, देवी-देवताओं एवं सामाजिक व्यवस्थाओं से दूरी बना लेते हैं। इससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। इसी को देखते हुए ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित किया गया। धर्मांतरण गतिविधियों के उद्देश्य से आने वाले पादरी-पास्टरों के गांव में प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला लिया गया। इस संबंध में गांव में सूचना बोर्ड भी स्थापित किया गया है। इस दौरान ग्राम पटेल प्रयाग सिंह कोरेटी, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, भागवत कोरेटी, मयाराम आंचला, पुखराज आंचला, गैंद सिंह हिडको, ज्वाला प्रसाद जैन, चैतू आंचला, बालसिंह कोरेटी, गौतम उसेण्डी व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण सप्ताह के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अभियंता के हाथों मिला पुरस्कार

कोरबा (आरएनएस)। हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में 31 मई से 05 जून तक विश्व पर्यावरण सप्ताह बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को मुख्य अभियंता एचके. सिंह एवं अन्य अतिथियों के हाथों पुरस्कार बांटे गए। मुख्य अभियंता ने विजयी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली में अपनाते हुए इसके प्रति जनभागीदारी को बढ़ाना होगा।

बीते 31 मई को रविंद्र सांस्कृतिक भवन में आयोजित चित्रकला स्पर्धा में विभिन्न कक्षा वर्ग के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया था। चित्रकला स्पर्धा के वर्ग-अ (नर्सरी से कक्षा-01) में सृष्टि रात्रे, याशिका साहू, अनिका साव और इजहान खान ने पुरस्कार जीते। वर्ग-ब (कक्षा-दो से 5वीं) में कृतिका कंवर, आराध्या मिश्रा, रावी साहू और वर्ग-स (कक्षा 6वीं से 8वीं) में करूण्या पटेल, आरोही देवांगन, देविशा कर और भूमि देवांगन ने पुरस्कार जीते। नारा प्रतियोगिता के अधिकारी-कर्मचारी वर्ग में गुड्डी बाई, रवि कंवर और सुभद्रा कुमारी को पुरस्कृत किया गया। जबकि ठेका श्रमिक वर्ग में गायत्री निषाद, परदेशी लाल चंद्रा और सत्यम खूंटे को पुरस्कार दिया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन

पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था को मिलेगा नया आयाम

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली 1076 की कार्यप्रणाली, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा शिकायतों के निराकरण तंत्र का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की और नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा तथा कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, सुशासन एवं अभिशरण विभाग के सचिव राहुल भगत, विशेष सचिव रजत बंसल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी मंत्रियों ने हेल्पलाइन संचालन व्यवस्था, शिकायत प्रबंधन प्रणाली तथा नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन सेंटर में पहुंचकर शिकायतों के पंजीयन, उनकी निगरानी एवं समाधान की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से चर्चा करते हुए शिकायतों के त्वरित निराकरण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन पर कॉलर पूनाराम ठाकरे से की बातमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सीएम हेल्पलाइन सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले कॉलर पूना राम ठाकरे से खुद बात की और उनका नाम, निवास तथा समस्या की जानकारी ली । मुख्यमंत्री को ठाकरे ने बताया कि वे रायपुर के रहने वाले हैं और उन्होंने आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था जिसके संबंध में शिकायत दर्ज कराने उन्होंने हेल्पलाइन में कॉल किया है। मुख्यमंत्री ने कॉल पर ठाकरे को आश्वस्त किया कि जल्द ही उनकी समस्या का निराकरण हो जाएगा।निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय एवं अन्य मंत्रियों ने हेल्पलाइन के माध्यम से जुड़े हितग्राहियों से बातचीत भी की। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं और सुझावों को सुना तथा संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। हितग्राहियों ने भी अपनी समस्याओं को सीधे शासन तक पहुंचाने के लिए इस व्यवस्था की सराहना की।मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली राज्य के सभी विभागों को एकीकृत रूप से जोड़ने वाली व्यवस्था है।

संरक्षित खेती से आर्थिक रूप से सशक्त बने जशपुर के किसान अनारथ साय

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब जशपुर जिले के किसानों के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जशपुर विकासखंड के ग्राम पतराटोली के किसान अनारथ साय इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिन्होंने उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर संरक्षित एवं बहुफसली खेती अपनाई है और आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं।

जशपुर जिले के प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने जिले के भ्रमण के दौरान ग्राम पतराटोली पहुंचकर किसान अनारथ साय के उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी आधारित कृषि मॉडल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ऑयल पाम रोपण, संरक्षित खेती एवं अंतरवर्ती फसलों की जानकारी ली तथा उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।किसान अनारथ साय ने बताया कि उन्होंने उद्यानिकी विभाग की सहायता से राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत एक एकड़ क्षेत्र में शेडनेट हाउस स्थापित कर संरक्षित खेती अपनाई है। यहां ग्राफ्टेड टमाटर की आधुनिक तकनीक से खेती की जा रही है। इस परियोजना की कुल लागत 28 लाख 40 हजार रुपये है, जिसमें उद्यानिकी विभाग द्वारा 14 लाख 20 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया है।प्रभारी सचिव ने संरक्षित खेती की तकनीकों, उत्पादन क्षमता एवं आय वृद्धि के संबंध में किसान से विस्तार से चर्चा की तथा उनकी नवाचार आधारित कृषि पद्धति की सराहना की।किसान ने यह भी बताया कि समेकित उद्यानिकी विकास योजना के तहत उन्होंने दो हेक्टेयर क्षेत्र में आम एवं लीची का बगीचा विकसित किया है।

कोरबा : कटघोरा के पटाखा गोदाम में भीषण आग, लगातार धमाकों से दहला इलाका

कोरबा,(आरएनएस)। कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र के रामपुर स्थित शर्मा पटाखा गोदाम में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद गोदाम में रखे पटाखों में लगातार तेज धमाके होने लगे, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान आसमान में काले धुएं का विशाल गुबार दूर-दूर तक दिखाई देता रहा।जानकारी के अनुसार दोपहर के समय अचानक गोदाम में आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखों का भंडारण होने के कारण लगातार विस्फोट होते रहे, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। धमाकों की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। की सूचना मिलते ही कटघोरा नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि लगातार हो रहे विस्फोटों के कारण दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। आग की गंभीरता को देखते हुए अन्य स्थानों से भी अतिरिक्त दमकल वाहनों को बुलाया गया। दमकल की टीमें लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने में जुटी रहीं।उधर, सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटा दिया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए, जिन्हें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने नियंत्रित किया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखों का स्टॉक रखा गया था। ऐसे में पूरा माल जलकर खाक होने की आशंका है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस हादसे में व्यापारी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।फिलहाल घटना में किसी प्रकार की जनहानि या गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी कहना है कि आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाएगा और आग लगने के कारणों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कार खड़े ट्रक से टकराई, कार सवार की मौत

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर मंगलवार और बुधवार की दमियानी रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में कार सवार की मौत हो गई, जबकि चालक मौके से फरार हो गया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम उपरांत आज बुधवार को परिजनों को सौप दिया है।जानकारी के अनुसार, घटना मणिपुर थाना इलाके के भिट्ठीकलां के पास रात लगभग 2 से 2:30 बजे के बीच सफेद रंग की स्विफ्ट कार (सीजी 04 क्यूएस 4079) खड़े ट्रक से टकरा गई। कार में दो लोग सवार थे। देर रात को अंबिकापुर से रायपुर के लिए रवाना हुए थे। इसी बीच अंबिकापुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर भिट्ठीकलां के पास उनकी कार सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई।कार के ऊपर का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों में जोरदार टक्कर की आवाज से हड़कंप मच गया और मौके पर पहुंच गए। पुलिस सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची, जिसके बाद पैसेंजर सीट पर फंसा युवक बुरी तरह से घायल हो गया था। अस्पताल लेकर जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। शव को कब्जे से में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

खेल समाचार

फीफा वर्ल्ड कपः जर्मनी के लिए राहत, चोट से उबरकर ट्रेनिंग पर लौटे मैनुअल नूएर

बर्लिन (आरएनएस)। जर्मनी की फुटबॉल टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नूएर चोट से उबरकर पूरी ट्रेनिंग में लौट आए हैं। जर्मनी अपना पहला मैच 14 जून को ह्यूस्टन में कुराकाओ के खिलाफ खेलेगा और नूएर इस मुकाबले में मैदान पर उतर सकते हैं। नॉर्थ कैरोलिना में जर्मनी के बेस कैंप में आयोजित एक सार्वजनिक ट्रेनिंग सत्र के दौरान करीब 3,000 प्रशंसकों ने नूएर का जोरदार स्वागत किया। लंबे समय बाद उन्हें पूरी ट्रेनिंग करते देखकर फैंस काफी उत्साहित नजर आए। जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नेगल्समैन ने भी संकेत दिए हैं कि नूएर पहले ग्रुप मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि नूएर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को बड़े मुकाबलों के दबाव से निपटने की आदत है और उन्हें तैयारी के लिए ज्यादा समय की जरूरत नहीं होती।हाल ही में पिंडली की चोट के कारण नूएर नियमित अभ्यास नहीं कर पा रहे थे। इसी वजह से उनकी वापसी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब उनकी फिटनेस में सुधार हुआ है और वे टीम के साथ सामान्य ट्रेनिंग कर रहे हैं।नूएर के दो साल पहले राष्ट्रीय टीम से संन्यास लेने की घोषणा के बाद हॉफेनहाइम के गोलकीपर ओलिवर बाउमन को जर्मनी का पहला गोलकीपर बनाया गया था। हालांकि, नूएर की वापसी के बाद बाउमन को फिर से दूसरे विकल्प की भूमिका में जाना पड़ा है।

इंग्लैंड-आयरलैंड में होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हुए मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा को मिला मौका

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को जून-जुलाई 2026 में आयरलैंड और इंग्लैंड में टी-20 सीरीज में हिस्सा लेना है। इन दोनों सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही टीमों की घोषणा कर चुका है। अब इन दोनों टी-20 सीरीज से मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है और उनके स्थान पर प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया गया है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।बीसीसीआई ने सिराज को आराम देने का कारण बताया है। बीसीसीआई ने अपना बयान जारी करते हुए कहा, बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट के बीच बातचीत के बाद, सिराज को उनके वर्कलोड मैनेजमेंट प्रोग्राम के तहत आराम करने की सलाह दी गई है। यह निर्णय एहतियातन लिया गया है ताकि लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन से पहले उन्हें ठीक होने का पूरा समय मिल सके।

कृष्णा ने आईपीएल 2025 में पर्पल कैप जीती थी, जिसमें उन्होंने 19.52 के शानदार औसत से 25 विकेट लिए थे। उनका इकॉनमी रेट 8.27 था, जो काफी प्रभावशाली था। आईपीएल 2026 में उनका प्रदर्शन 12 मैचों में 16 विकेट का रहा, जिसमें उनका औसत 25.43 और इकॉनमी रेट 10.43 था। कृष्णा ने अब तक 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 11 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच नवंबर 2023 में खेला था।

अफगानिस्तान सीरीज से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, कोहली के बाद अब यह खतरनाक ऑलराउंडर भी हुआ बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए एक बेहद निराश करने वाली खबर सामने आई है। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बाद अब धाकड़ ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस अहम सीरीज से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। हार्दिक को जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में खिंचाव की शिकायत के बाद सीरीज से हटने का फैसला लेना पड़ा है।

बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद बिगड़ा खेल

32 वर्षीय हार्दिक पांड्या को इस नई इंजरी ने टेंशन में डाल दिया है। दरअसल, हार्दिक पीठ में ऐंठन की समस्या के कारण आईपीएल 2026 के कई मैचों से बाहर रहे थे। इसी चोट से उबरने के बाद खेलने की मंजूरी लेने के लिए वह दो जून से बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) में ट्रेनिंग कर रहे थे। एक हफ्ते की कड़ी ड्रिल और फिटनेस असेसमेंट के बाद उन्हें क्लीयरेंस मिल भी गया था, लेकिन इस नई दिक्कत ने उनकी वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

डॉक्टरों ने दी दो हफ्ते आराम की सख्त सलाह

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के सूत्रों ने हार्दिक के सीरीज से बाहर होने की आधिकारिक पुष्टि की है। सूत्र के मुताबिक, हार्दिक ने शुरुआत में सभी जरूरी टेस्ट पास कर लिए थे, लेकिन आखिरी समय में आई इस समस्या ने उन्हें अफगानिस्तान सीरीज से बाहर कर दिया है। मेडिकल टीम ने उन्हें कम से कम दो हफ्ते आराम करने की सलाह दी है और अपना रिकवरी प्रोसेस पूरा करने के लिए वह अभी COE में ही रुकेंगे। उनके जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलने पर भी सस्पेंस गहरा गया है।

रोहित शर्मा को मिली हरी झंडी, कोहली की जगह जायसवाल शामिल

एक तरफ जहां हार्दिक और कोहली की कमी खलेगी, वहीं टीम के लिए राहत की बात यह है कि रोहित शर्मा को खेलने की मंजूरी मिल गई है। रोहित पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण COE में थे, लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं। वहीं, आईपीएल 2026 के फाइनल में नाबाद 75 रन बनाकर आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने वाले विराट कोहली पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के चलते पहले ही बाहर हो चुके हैं। वनडे सीरीज के लिए कोहली की जगह युवा स्टार यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की यह रोमांचक वनडे सीरीज शनिवार 13 तारीख से धर्मशाला के खूबसूरत स्टेडियम में शुरू होने जा रही है।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय टीम द्वारा दर्ज की गई सबसे बड़ी जीतें

नईदिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए टेस्ट को पारी और 300 रन से जीता। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत साबित हुई। यह एकमात्र टेस्ट सिर्फ 3 दिनों में ही समाप्त हो गया, जिसमें शुभमन गिल की कसानी वाली टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। भारतीय स्पिनरों के सामने अफगानी बल्लेबाज बेबस नजर आए। इस बीच टेस्ट इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीतों के बारे में जानते हैं।

भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित की थी। मेजबान टीम से केएल राहुल (100) और शुभमन गिल (126) ने शतक लगाए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान की पारी 152 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम से रहमत ने 135 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 6 विकेट लिए। इसके बाद अफगानिस्तान की दूसरी पारी वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी (4/36) से 112 पर समाप्त हुई।

भारत को पिछली सबसे बड़ी जीत 2018 में विराट कोहली की कसानी में मिली थी। भारत ने राजकोट में वेस्टइंडीज को पारी और 272 रनों से बुरी तरह हराया था। पृथ्वी शॉ, कोहली और रविंद्र जडेजा ने शतक लगाए और मेजबान टीम ने अपनी एकमात्र पारी 649/9 के स्कोर पर घोषित की थी। वेस्टइंडीज की टीम 181 रनों पर सिमट गई और उन्हें फॉलो-ऑन के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी पारी में भी मेहमान टीम 196 पर ढेर हुई थी।

महिला टी20 विश्व कपः इन पांच युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी निगाहें, नंदिनी शर्मा का नाम भी शामिल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से होने जा रही है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाना है। आइए आपको उन पांच युवा खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो इस विश्व कप में दमदार प्रदर्शन कर सकती हैं। जॉर्जिया वोल: ऑस्ट्रेलिया की 22 वर्षीय जॉर्जिया वोल ने पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। वोल ने अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 156 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 474 रन बनाए हैं। वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में एक शतक और 3 अर्धशतक भी लगा चुकी हैं। अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर वह इस विश्व कप में कंगारू टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

नंदिनी शर्मा: भारत की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा के प्रदर्शन पर भी महिला टी20 विश्व कप में हर किसी की निगाहें रहेंगी। नंदिनी ने महिला प्रीमियर लीग में अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया था। उन्होंने 10 मुकाबलों में कुल 17 विकेट निकाले थे। इसके बाद भारत की ओर से टी20 इंटरनेशनल में उनका डेब्यू भी शानदार रहा। उन्होंने पहले ही मैच में 34 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे। नंदिनी की सबसे बड़ी ताकत सटीक गेंदबाजी के साथ-साथ विविधता है। कायला रेनेके: साउथ अफ्रीका की युवा ऑलराउंडर कायला रेनेके इस विश्व कप में दमदार प्रदर्शन कर सकती हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी रेनेके ने अब तक प्रोटियाज टीम की ओर से तीन टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें से वह दो प्लेयर ऑफ द मैच रही हैं। 9 टी20 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने के साथ-साथ रेनेके 5 विकेट भी चटका चुकी हैं।

टिली कोर्टीन-कोलमैन: बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज टिली कोर्टीन कोलमैन ने महज 18 साल की उम्र में विश्व क्रिकेट में अपनी घूमती हुई गेंदों से पहचान बनाई है। कोलमैन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह विकेट निकालने का हुनर जानती हैं। साझेदारी तोड़ने के साथ-साथ कोलमैन रनों की गति पर भी लगाम लगा सकती हैं।

टेस्ट क्रिकेटः ये भारतीय गेंदबाज अपने डेब्यू मैच में बने हैं प्लेयर ऑफ द मैच

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज मानव सुथार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना यादगार डेब्यू किया। उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में कुल 7 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय टीम ने मुल्लांपुर में खेला गया ये टेस्ट पारी और 300 रन से जीता। यह टेस्ट में भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत है। इस बीच टेस्ट डेब्यू में प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले भारतीय गेंदबाजों के बारे में जानते हैं।भारत और पाकिस्तान के बीच 2006 में फैसलाबाद में खेला गया टेस्ट ड्रॉ रहा था। उस मैच से आरपी सिंह ने टेस्ट क्रिकेट में अपना कदम रखा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान की पहली पारी में 25 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 89 रन देते हुए 4 विकेट लिए थे। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने एक सफलता हासिल की थी।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से नहीं होना चाहिए खिलवाड़

आटो वालों के साथ स्कूल संचालक और पालकों की होनी चाहिए आवश्यक बैठक

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। अगले सप्ताह से स्कूल खुलने वाले हैं। आटो रिक्शा या बच्चों को लाने व ले जाने वाले अन्य वाहनों के लिए स्कूल खुलने से पूर्व एक बैठक आटो वालों के साथ स्कूल संचालक और पालकों की होनी चाहिए। कई अभिभावक आटो रिक्शा चुनते हैं, जिसमें मोहल्ले के कुछ बच्चे एक साथ स्कूल आते.जाते हैं। पूर्व में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। यातायात परिवहन विभाग के द्वारा जो नियम हैं वह तो लागू होना ही चाहिए। साथ में पालकों और स्कूल संचालकों के द्वारा बैठक करके बच्चों की गहन सुरक्षा के अन्य नियम भी बनाए जाने चाहिए। जिससे सुरक्षा बनी रहे। बीते सत्र में एक आटो वाले के द्वारा एक स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई थी। कुछ आटो वाले तेज रफ्तार से चलाते हैं। जिससे भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ आटो वाले बच्चों को आटो में बिठाकर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डीजल भरवाने के लिए लेकर पहुंचते हैं। जबकि उनको एक दिन पूर्व शाम के समय घर जाते वक्त ही ईधन की तैयारी तथा आटो के पार्टस बगेरह सब देखभाल करके ही सुबह की तैयारी कर लेनाा चाहिए। ऐसे ही कुछ सतर्कता से संबंधित नियमों के लिए स्कूल खुलने से पूर्व सक्त हिदायत देने की आवश्यकता है। वाहनों की फिटनेस, इंश्योरेंस व अन्य कागजातों की की पूर तैयारी पहले से से होनी चाहिए। आटो चलाने वाली की पहचान होनी चाहिए। पुलिस प्रशासन को स्कूलों के आसपास कभी कभी आकस्मिक रूप से आटो व आटो चालक की चेकिंग करना चाहिए।

कॉलेजों में वर्षों से जमे प्रोफेसरों के तबादलों का हो रहा इंतजार

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के दोनों शासकीय कालेजों में वर्षों से जमें प्रोफेसरों के तबादलों का इंतजार शहर के नागरिकों व विद्यार्थियों को हो रहा है। छात्र नेताओं का कहना है कि ये प्रोफेसर राजनीतिक पहुंच के चलते अपना तबादला रूकवा लेते हैं इसलिए अब जिनका तीन वर्ष से तबादला नहीं हुआ है उन्हें यहां से कहीं ओर भेजा जाए जिससे कालेज में प्रापर पढ़ाई हो सके। कुछ तो कई वर्षों से जमे हुए हैं। यहां रहकर निर्भीक हो गए हैं। वे पढ़ाई नहीं करते अनेक प्रोफेसरों के द्वारा तो अन्य कार्यों में ज्यादा रूचि ली जाती है। इसलिए बहुत वर्ष होने वालों को प्राथमिकता के आधार पर तबादला किया जाना चाहिए। जब शासन अन्य विभागों के तबादले के लिए नीति बनाते हैं तो फिर प्रोफेसर क्यों छूट जाते हैं। उनको भी समय समय पर हटाते रहना आवश्यक है।

श्रीमद् भागवत कथा में नटखट भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला पर झूमे श्रद्धालु, सुनाई गोवर्धन की महिमा

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के ग्वालटोली सिवनी नाका स्थित शंकर मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का आज पंचम दिवस पंडित स्पर्श तिवारी ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया जिसको सुनकर श्रद्धालु खुशी से झूम उठे । उन्होंने भगवान गोवर्धन की महिमा का भी बखान किया। भगवान कृष्ण की महिमा सुनकर जमकर झूमे श्रद्धालु और तालिया से परिसर गूंज उठा। भागवत कथा में व्यास पं स्पर्श तिवारी बाल लीला, माखन चोरी एवं गोवर्धन पूजन सहित अन्य प्रसंगों का वर्णन किया। पंडित तिवारी ने कहा कि गोवर्धन जो हमें सब कुछ देते हैं उनकी पूजा हमें अनिवार्य करना चाहिए। उन्होंने इंद्र और भगवान श्री कृष्ण के गोवर्धन उठाने की प्रसंग का भी वर्णन किया। समिति के कमल राव चव्हाण ने बताया कि कथा प्रति दिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चल रही है। बुधवार को कथा में पूर्व नपा अध्यक्ष एवं झु झो प्र के प्रदेश संयोजक डॉ. अखिलेश खंडेलवाल, हरि शर्मा, मनीष परदेशी सहित अन्य विशिष्ट जन शामिल हुए। शंकर कथा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और पुण्य लाभ ले रहे हैं।

जनसेवा और संगठन हित ही हमारी प्राथमिकता : नारोलिया

भाजपा कार्यालय में सांसद माया नारोलिया ने सुनीं जनसमस्याएं निराकरण का दिया भरोसा

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला भाजपा कार्यालय में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं व शिकायतें सुनीं तथा विभिन्न जनहित एवं लोककल्याणकारी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव सांसद के समक्ष रखे। सांसद श्रीमती नारोलिया ने सभी विषयों को अत्यंत गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उनके त्वरित और सकारात्मक निराकरण का आश्वासन दिया।सांसद माया नारोलिया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जनसेवा और संगठन हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं। प्रत्येक नागरिक की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और उनकी समस्याओं का समाधान करना एक जनप्रतिनिधि का परम दायित्व है। उन्होंने भावुकता से कहा कि जनता की आकांक्षाएं ही मेरे संकल्पों का आधार हैं जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं।इस अवसर पर सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक ठा. विजयपाल सिंह भाजपा जिला महामंत्री कुँअर सिंह यादव नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत विपिन यादव भाजपा जिला कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल में बीआईएस द्वारा अंजनी स्व सहायता समूह के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम हुआ

भारतीय मानक ब्यूरो की भोपाल शाखा ने दिया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय मानक ब्यूरो के भोपाल शाखा कार्यालय द्वारा गत दिनो केंद्रीय जेल में अंजनी स्व सहायता समूह के सदस्यों के लिए एक विशेष संवेदीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कैदियों द्वारा संचालित होने वाला देश का पहला अनूठा स्व सहायता समूह है और वर्तमान में नमकीन का निर्माण कर रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जेल अधीक्षक व अधिकारीगण भारत मानक ब्यूरो के अधिकारीगण उपस्थित रहे। नगरपालिका में संचालित डे एनयूएलएम की सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के मार्गदर्शन में नगर में स्वसहायता समूहों का संचालन किया जा रहा है। सिटी मैनेजर श्रीमती मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समूह की सदस्यों के बीच भारतीय मानकों को अपनाकर नमकीन व अन्य उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना था। जिसके तहत संबंधित मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों को बीआईएस प्रमाणन योजनाओं, हॉलमार्किंग, परीक्षण सुविधाओं, बीआईएस केयर ऐप और उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। सत्र के अंत में प्रशिक्षकों द्वारा समूह के सदस्यों की शंकाओं और सवालों के समुचित जवाब दिए गएए जिसके लिए जेल के उच्च अधिकारियों और स्व सहायता समूह के सदस्यों ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा दी गई इस बहुमूल्य जानकारी और सहयोग की सराहना करते हुए इस अनूठी जागरूकता पहल की जमकर प्रशंसा की।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई निरंतर जारी, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के विरूद्ध संयुक्त जांच दल की कार्रवाई लगातार जारी है। सोमवार, 8 जून को खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने पिपरिया शहर में छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रही दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर जप्त किया गया। इन वाहनों को स्टेशन रोड थाना एवं मंगलवारा थाना की पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। इसी क्रम में ग्राम रायपुर, तहसील नर्मदापुरम से भी रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। इसे जप्त कर देहात थाना में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। प्रशासन के अनुसार जप्त किए गए तीनों वाहनों के विरुद्ध म. प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से

हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ । आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रुपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com